

आज बेबाक

डुम्रे ही कहते हैं चित भी मेरी पट भी मेरी और अंदा मेरे बाप का बिहार विधानसभा चुनाव के बारे में तमाम एग्जिट पोल वहां एनडीए की सरकार बनाने का पूर्वानुमान लगा रहे हैं। जिसे महागठबंधन वाले फर्जी बता रहे हैं। तेज प्रताप यादव, अखिलेश यादव, पप्पू यादव और दिग्विजय सिंह सहित अनेक विपक्षी नेता दावा कर रहे हैं कि बिहार में महागठबंधन की ही सरकार बनेगी। यदि वोट चोरी और धोधली हुई तो ही एनडीए की सरकार बनेगी। बहरहाल आज ईवीएम का मुंह खुलेगा तो पता चल जाएगा कि किसमें कितना दम है और कौन कितने पानी में है?

प्रधानमंत्री मोदी 19 को तमिलनाडु जायेंगे

चेन्नई (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 नवंबर को तमिलनाडु का दौरा करेंगे और कोयंबटूर में जैविक खेती पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। यह तीन दिवसीय सम्मेलन दक्षिण भारतीय जैविक कृषि महासंघ द्वारा आयोजित किया जाएगा। इसमें तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के 5,000 से अधिक किसानों के अलावा 50 जैविक कृषि वैज्ञानिकों के भी भाग लेने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद किसानों और विशेषज्ञों से बातचीत करेंगे। रिपोर्टों के अनुसार मोदी कर्नाटक के पुदुच्चेरी से एक विशेष विमान द्वारा कोयंबटूर पहुंचेंगे और दिल्ली रवाना होने से पहले शहर के कॉडिसिया कॉम्प्लेक्स में आयोजित होने वाले सम्मेलन में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी सम्मेलन के बाद तमिलनाडु के भाजपा पदाधिकारियों और सहयोगी दलों के नेताओं से मुलाकात करेंगे, जिनमें अन्नाद्रमुक भी शामिल है। अन्नाद्रमुक के साथ भाजपा ने फिर से चुनावी गठबंधन किया है। इस मुलाकात में दोनों नेता आगामी 6-7 महीने में होने वाले विधानसभा चुनावों के महैनजर तैयारियों पर चर्चा करेंगे।

सूरजकुंड में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32 वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे शाह

नयी दिल्ली (वार्ता)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को हरियाणा में फरीदाबाद के सूरजकुंड में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32 वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में आठ राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उप राज्यपाल तथा मुख्य सचिव भाग लेंगे।

उत्तरी क्षेत्रीय परिषद में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख तथा चंडीगढ़ शामिल हैं। यह बैठक गृह मंत्रालय के अंतर्गत अंतर-राज्यीय परिषद सचिवालय द्वारा हरियाणा सरकार के सहयोग से आयोजित की जा रही है। हरियाणा की ओर से बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सेनी, कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी हिस्सा लेंगे।

मतगणना पर पटना में रहेगी विशेष यातायात व्यवस्था

पटना (वार्ता)। बिहार विधानसभा चुनाव की मतगणना शुक्रवार, 14 नवंबर को सुबह 8 बजे से एएन कॉलेज में की जायेगी और मतगणना के सुचारु संचालन और आम नागरिकों की सुविधा के लिये 14 नवंबर की सुबह 5 बजे से लेकर मतगणना कार्य समाप्त तक विशेष यातायात प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तित व्यवस्था लागू रहेगी। पुलिस प्रशासन के अनुसार बौंग रोड चौराहा से एएन कॉलेज और मोहिनी मोड़ से सहदेव महतो मार्ग तक सभी सामान्य वाहनों का परिचालन बंद रहेगा।

गरमा-गरम



किसानों के लिए सम्मान और समृद्धि का प्रतीक बनी भावान्तर योजना : सीएम यादव

मुख्यमंत्री ने 1.33 लाख से अधिक किसानों के खातों में 233 करोड़ रुपए भावांतर राशि अंतरित की

भावांतर योजना में पंजीकृत किसान 15 जनवरी तक मंडियों में विक्रय कर सकेगे सोयाबीन

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भावांतर भुगतान, अन्नदाता के उत्थान का पर्याय है। अन्नदाता को दी गई एमएसपी की गारंटी की पूर्ति करते हुए सोयाबीन भावांतर योजना में 1 लाख 33 हजार किसानों के खाते में 233 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई है। यह इस बात का प्रमाण है कि हमने जो कहा उसे कर दिखाया।



उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में अनेक किसान हितैषी योजनाएं संचालित की जा रही है। मध्यप्रदेश किसानों को उपज का उचित लाभ दिलवाने के लिए भावान्तर योजना लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। पिछले साल सोयाबीन का भाव 4800 रुपए था, इस बार किसानों को 500 रुपए

प्रति क्विंटल का लाभ देकर 5300 रुपए से अधिक कीमत पर सोयाबीन खरीदा जा रहा है। भावान्तर योजना के लिए प्रदेश में 9 लाख से अधिक किसानों ने सोयाबीन बेचने के लिए पंजीयन किया। आज 1.33 लाख किसानों के खाते में राशि भेजी गई है। हमारी सरकार ने योजना की शुरुआत करने के ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भयानक थे आतंकियों के मंसूबे, ऐसा था इनका पूरा प्लान दिल्ली जैसा धमाका 32 जगह पर करने की थी योजना

नई दिल्ली(वार्ता)। दिल्ली ब्लास्ट में एक और नया खुलासा हुआ है। आई20 और इकोस्पोर्ट कार के बाद यह पता चला कि 32 अन्य पुराने वाहनों को तैयार करने की तैयारी चल रही थी, जिनमें विस्फोटक लगाए जा सकते थे। यह दर्शाता है कि आतंकी समूह बड़े पैमाने पर तबाही मचाने की फिराक में था।

दिल्ली के लाल किले के पास हुए एक कार धमाके से जुड़ी एक बड़ी आतंकी साजिश का खुफिया एजेंसियों ने गुरुवार को पर्दाफाश किया है। सूत्रों के अनुसार, संदिग्धों ने कई जगहों पर हमले करने के लिए लगभग 32 पुराने वाहनों को विस्फोटक से लैस करने की योजना बनाई थी। यह खुलासा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा की ओर इशारा करता है।

खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के हवाले से पता चला है कि चल रही जांच का दायारा लगातार बढ़ रहा है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपियों ने हमलों में इस्तेमाल के लिए एक इ20 और एक इकोस्पोर्ट वाहन को मॉडिफाई करने का काम शुरू कर दिया था। जांच टीम अब इस बात की पड़ताल कर रही है कि क्या सिलसिलेवार विस्फोटों को अंजाम देने की इस व्यापक योजना के तहत इसी तरह के और भी वाहन तैयार



किए जा रहे थे। एक खुफिया सूत्र ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि इ20 और इकोस्पोर्ट के बाद यह पता चला कि 32 अन्य पुराने वाहनों को तैयार करने की तैयारी चल रही थी, जिनमें विस्फोटक लगाए जा सकते थे। यह दर्शाता है कि आतंकी समूह बड़े पैमाने पर तबाही मचाने की फिराक में था। जांच एजेंसियों ने यह भी बताया है कि लगभग आठ संदिग्ध कथित तौर पर चार अलग-अलग ■ शेष पृष्ठ 6 पर

डीएनए परीक्षण: उमर नबी के विस्फोटक वाली कार में होने की पुष्टि

डीएनए परीक्षण से पुष्टि हो गयी है कि लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास जिस कार में विस्फोट में हुआ था उसे डॉ. उमर नबी ही चला रहा था क्योंकि उसके स्टीयरिंग व्हील में मिले पैर के हिस्से और नबी की मां के डीएनए नमूने आपस में मिल रहे हैं। दिल्ली पुलिस के अनुसार नबी की मां के डीएनए नमूने और नबी के पैर के डीएनए आपस में मैच हो रहे हैं। जांचकर्ताओं को यह सफलता तब मिली जब डॉ. नबी का पैर कार के स्टीयरिंग व्हील और एक्सप्लेटर के बीच फंसा हुआ पाया गया। इससे संकेत मिलता है कि विस्फोट के समय वह कार चला रहा था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, कुल 21 जैविक नमूने जांच के लिए फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) भेजे गए थे। लाल किला विस्फोट में मुख्य संदिग्ध सहित कुल 12 लोगों की मौत हुई थी। शेष नमूने अन्य पीडितों के जैविक अवशेषों और आसपास के क्षतिग्रस्त, वाहनों विस्फोट से प्रभावित कारों और एक ई-रिक्शा से एकत्र किए गए थे।

पूर्व सीएम बघेल के बेटे चैतन्य की 61 करोड़ की संपत्ति कुर्क

■ अब तक 276 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच

रायपुर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की चल रही जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की कुल 61.20 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है। इस तरह मामले में वर्तमान कुर्की को मिलाकर अब तक कुल 276.20 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने 10 नवंबर को चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ रुपए की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क की है। उसमें 59.96 करोड़ रुपये



मूल्य की 364 आवासीय भूखंड और कृषि भूमि के रूप में अचल संपत्तियों के अलावा 1.24 करोड़ रुपए बैंक बैलेंस और सावधि जमा के रूप में चल संपत्तियां शामिल हैं। ईडी ने छत्तीसगढ़ राज्य में शराब घोटाले में आईपीसी, 1860 और घट्याचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत एसबी/ईओडब्ल्यू, रायपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा दर्ज एफआईआर ■ शेष पृष्ठ 6 पर

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव

नए निवेश प्रस्तावों और औद्योगिक क्लस्टरों की स्थापना पर हुई बातचीत

सीएम यादव ने एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 में विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से की वन-टू-वन चर्चा

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन चर्चा की। इससे मध्यप्रदेश में निवेश संभावनाओं, औद्योगिक क्लस्टरों, तकनीकी केंद्रों और नवाचार आधारित परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। वन-टू-वन में आईटी, ड्रोन, एयरोस्पेस, सेमीकंडक्टर, रक्षा, ईवी मैनुफैक्चरिंग, फिल्म टेक्नोलॉजी और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर जैसे क्षेत्रों में निवेश, भूमि आवंटन, नीति प्रोत्साहन और प्रशिक्षण सुविधाओं को लेकर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने भारतीय सेना के मेजर जनरल गौतम महाजन, ब्रिगेडियर एम.एस. रंधावा, ब्रिगेडियर दीपक पुरी, कर्नल मनोजित सिन्हा, लेफ्टिनेंट कर्नल अरिजीत चंद्र सेन से मुलाकात की। इस दौरान राज्य सरकार और भारतीय सेना के मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के बीच साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान एवं विकास के लिये एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। यह समझौता रक्षा एवं नागरिक तकनीकी सहयोग को सुदृढ़ कर मध्यप्रदेश को तकनीकी नवाचार में अग्रणी बनाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव



ने एएनएसआर ग्लोबल के सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक श्री विक्रम आहूजा से मध्यप्रदेश में नया +जीसीसी हब+ स्थापित करने के

संबंध में चर्चा की। बैठक में हब के लिए उपयुक्त स्थान, कार्यालय अवसरचना, पूंजी निवेश, प्रशिक्षण एवं भर्ती प्रोत्साहन, जीसीसी पॉलिसी

और इंसेंटिव फ्रेमवर्क के तहत सहयोग पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनंत टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के संस्थापक डॉ. सुब्बाराव पवुलुरी से मुलाकात की। इस दौरान डिफेंस क्लस्टर की स्थापना, निवेश प्रोत्साहन, भूमि आवंटन और अवसरचना विकास पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने वेना इंडिया के निदेशक श्री गौतम यादव एवं सह-निदेशक श्री पार्थ सेन गुप्ता से भी वन-टू-वन चर्चा की। प्रतिनिधियों ने बताया कि कंपनी द्वारा इंदौर में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) पहले ही स्थापित किया जा चुका है। मध्यप्रदेश ग्लोबल कैपेबिलिटी नीति 2025 के तहत

प्रोत्साहनों और भोपाल-इंदौर जैसे शहरों में भविष्य के विस्तार पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से एमरीलड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के निदेशक श्री अनिल ज्ञानचंद भंसाली ने मुलाकात कर बिंदौरी (भोपाल) स्थित श्वस्त्र-2 में पीसीबी मैनुफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना के प्रस्ताव पर चर्चा की। एमपी सेमीकंडक्टर नीति-2025 के तहत विद्युत एवं गैर-विद्युत प्रोत्साहनों की मांग, भूमि आवंटन में छूट और राज्य में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास अवसरों पर विचार-विमर्श हुआ। थॉमसन सेमीकंडक्टर्स प्रा. लि. के सीईओ डॉ. श्रीनिवास अनंत ने बताया कि कंपनी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

27 लाख के छह इनामी नक्सली ढेर

भारी मात्रा में हथियार-विस्फोटक बरामद



बीजापुर /नवप्रदेश। सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की है। बरामदगी में दो इंसान ख़ाफ़े (68 कारतूस सहित), एक 9 एमएम कार्बाइन, एक .303 रायफल, एक सिंगल शॉट रायफल, एक 12 बोर की बंदूक आदि गोला-बारूद बरामद किया है।

बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों

को नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र के कांदुलनार, कचलारम और गुज्जाकोटा के जंगलों में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में 27 लाख रुपये के इनामी छह खूंखार नक्सली मारे गए हैं। इस संयुक्त अभियान को डीआरजी बीजापुर, डीआरजी देतवाड़ा ■ शेष पृष्ठ 6 पर

ढेर हुए नक्सलियों की पहचान और उन पर दर्ज मामले

डीबीसीएम कज़ा उर्फ बुचरा (इनाम 8 लाख रुपये): यह महेड़ एरिया कमेटी का प्रभारी था और गुड्डिपाल, थाना मोदकपाल का निवासी था। पिछले एक दशक से अधिक समय से पुलिस और आम नागरिकों पर हुए कई हमलों का यह मास्टरमाइंड था। उसके खिलाफ 42 आपराधिक मामले दर्ज थे और 18 स्थायी वारंट जारी थे। पुलिस

को मिले दस्तावेजों से यह भी पता चला है कि उसका शहरी नेटवर्क से भी गहरा जुड़ाव था। डीबीसीएम उर्मिला पति पापाराव (इनाम 8 लाख रुपये): यह चिंतलनार, जिला सुकमा की निवासी थी और प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के शीर्ष नेता पापाराव की पत्नी थी। वह पामेड़ एरिया कमेटी की सचिव के ■ शेष पृष्ठ 6 पर

न्यूज गैलरी

दिल्ली विस्फोट पर एनएसयूआई का आक्रोश : श्रद्धांजलि के साथ गृह मंत्री के इस्तीफे की माँग

भोपाल/नवप्रदेश। राजधानी भोपाल के पिपलानी चौराहा पर कांग्रेस की छत्र इकाई एनएसयूआई ने मध्यप्रदेश उपाध्यक्ष आदित्य सोनी के नेतृत्व में दिल्ली में आतंकी विस्फोट में मारे गए निर्दोष नागरिकों की स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने मोमबत्तियाँ जलाकर शहीदों और पीड़ित नागरिकों को नमन किया तथा देश में बढ़ते आतंकी हमलों की कड़ी निंदा कर गृह मंत्री के इस्तीफे की माँग की। प्रदेश उपाध्यक्ष विदुषी शर्मा ने कहा कि निर्दोष नागरिकों की यह कुर्बानी व्यर्थ नहीं जाएगी और आतंकवाद के खिलाफ देश को एकजुट होकर खड़ा होना होगा। एनएसयूआई महासचिव रेहान अहमद ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की माँग की। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक और छात्र शामिल हुए। सभी ने मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।

ज्ञान पर्यटन में छात्राओं ने जाना ग्रामीण जीवन का सार

गीतांजलि सरकारी कन्या महाविद्यालय, की केकड़िया (भोपाल) में शैक्षणिक यात्रा

भोपाल/नवप्रदेश। अपर मुख्य सचिव पर्यटन संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व तथा प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा संचालित ज्ञान पर्यटन श्रृंखला के अंतर्गत गीतांजलि सरकारी कन्या महाविद्यालय, भोपाल की छात्राओं ने केकड़िया (भोपाल) में एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। अपर मुख्य सचिव पर्यटन संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व तथा प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला के मार्गदर्शन में कराए जा रहे इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं में सांस्कृतिक जागरूकता, ग्रामीण परंपराओं से जुड़ाव, तथा सतत कृषि पद्धतियों (Sustainable Agricultural Practices) की समझ विकसित करना था। यह भ्रमण ज्ञान पर्यटन श्रृंखला का चौथा कार्यक्रम था।

जनजातीय संस्कृति से आत्मीय परिचय

भ्रमण की शुरुआत पारंपरिक विधि से हुई, जहां छात्राओं का स्वागत स्थानीय जनजातीय समुदाय की महिलाओं ने गीत और नृत्य के साथ किया। इसके बाद छात्राओं ने स्थानीय हाट बाजार का भ्रमण किया, जहां उन्होंने जनजातीय जीवनशैली की गहराइयों को नजदीक से समझा। उन्होंने पारंपरिक मिट्टी के बर्तनों (चोमड़ी), जनजातीय चिकित्सा पद्धतियों, स्थानीय कृषि उत्पादों, जैविक वस्तुओं, अनाज, गृह उपयोगी सामग्री और पारंपरिक हथियारों जैसे धनुष-बाणों का भी अवलोकन किया। इस अनुभव ने उन्हें यह समझने का अवसर दिया कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में परंपरागत कौशल और हस्तकला किस प्रकार आज भी जीवंत हैं। इस यात्रा में कुल 49 छात्राएं सम्मिलित हुईं, उनके साथ डॉ. अनीता देभरतार और डॉ. मधु त्रिवेदी मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित रहीं।

सीख और सहभागिता से भरी सक्रिय दिनचर्या

यह भ्रमण सेफ टूरिज्म डेस्टिनेशन वुमन (STDW) परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षित सुश्री बाणी राजपूत के निर्देशन में हुआ। छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने ट्रैकिंग, कुंभारकला (पाटरी), बैलगाड़ी सवारी और स्थानीय खेलों व तीरंदाजी जैसी पारंपरिक गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण जीवन की सरलता और आत्मनिर्भरता का अनुभव किया। साथ ही उन्होंने फार्म टू प्लेथ की अवधारणा को समझते हुए यह देखा कि किस प्रकार खेत से लेकर थाली तक भोजन की यात्रा होती है। छात्राओं ने सतत कृषि संबंधी प्रक्रियाओं जैसे फसल चक्र (Crop Rotation), ड्रिप सिंचाई तकनीक और पोषण खेती (Nutritional Farming) का व्यावहारिक ज्ञान भी प्राप्त किया। दोपहर के भोजन में उन्हें ग्रामीण स्वाद का अनुभव कराते हुए मक्के की रोटी, कढ़ी, भाजी, टमाटर की चटनी, दाल और चावल जैसे पारंपरिक व्यंजन परोसे गए, जिन्हें स्थानीय महिलाओं ने तैयार किया था।

संस्कृति और आस्था का संगम

भ्रमण के अंतिम चरण में छात्राओं ने सामासगढ़ जैन मंदिर का दर्शन दिये, जहां उन्होंने स्थानीय लोगों से इस क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ, छात्राओं ने लोकगीतों और नृत्य के माध्यम से जनजातीय कलाकारों के साथ सहभागिता की और चाय-नाश्ते के दौरान अपने अनुभव साझा किए।

साझे प्रयासों से सफल हुआ ज्ञान पर्यटन

यात्रा के सफल आयोजन में विलेज वॉयस के राजेश साहू, केकड़िया के स्थानीय समन्वयक श्री फतेह सिंह, तथा टूरिज्म बोर्ड की कौशल शाखा टीम का विशेष योगदान रहा। इस शैक्षणिक भ्रमण ने छात्राओं में स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक कृषि ज्ञान और जनजातीय जीवनशैली के प्रति गहरी समझ और संवेदनशीलता विकसित की, जिससे वे न केवल पर्यटन की दृष्टि से, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना के स्तर पर भी अधिक सशक्त बनीं। संचालन मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की कौशल शाखा के अंतर्गत संचालक (कौशल) डॉ. डी.पी. सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। इससे पूर्व इसी श्रृंखला में बीएसएस कॉलेज का खारी (सीहोर) भ्रमण, बीएसएस कॉलेज का कोटरा (राजगढ़)

स्पेस टेक पॉलिसी-2025 शीघ्र होगी लागू

मध्यप्रदेश भरेगा नई उड़ान : सीएम यादव

मुख्यमंत्री ने 22 नई इकाइयों का लोकार्पण और 4 प्रमुख परियोजनाओं का किया भूमिपूजन

भोपाल में 2000 एकड़ क्षेत्र में बनेगी नॉलेज एंड एआई सिटी

साइंस सिटी प्रोजेक्ट के लिये 25 एकड़ भूमि होगी आवंटित

मध्यप्रदेश, भारत में कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) का बनेगा हब

15 हजार 896 करोड़ का निवेश और 64 हजार से अधिक के रोजगार के अवसर

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत में तकनीकी विकास का प्रारंभ हुआ स्वर्णिम युग

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव में उद्योगपतियों ने निवेश के प्रति जताई रुचि

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश अब अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में एक नई उड़ान भरने जा रहा है। हम बहुत जल्द स्पेस टेक पॉलिसी-2025 लागू करने जा रहे हैं, जिससे राज्य में सैटेलाइट डेटा, रिमोट सेंसिंग और स्पेस स्टार्ट-अप को प्रोत्साहन मिलेगा। भोपाल में 2000 एकड़ भूमि पर नॉलेज एण्ड एआई सिटी विकसित की जायेगी। यह सिटी आधुनिक हार्डटेक सिटी और सायबर सिटी की तर्ज पर बनाई जायेगी। यहां विश्वस्तरीय संरचना, अनुसंधान केन्द्र और स्टार्ट-अप एक साथ आएंगे जिससे मध्यप्रदेश भारत का एआई



हब बन जायेगा। साइंस सिटी प्रोजेक्ट के लिये 25 एकड़ भूमि आवंटिट्ठकी जा रही है। यहां विज्ञान, नवाचार, और तकनीकी अनुसंधान के लिये अत्याधिक सुविधाएं विकसित की जायेगी। यह परियोजना आने वाले वर्षों में हमारे युवाओं और विद्यार्थियों के लिये ज्ञान और प्रयोग का केन्द्र बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 में शामिल निवेशकों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में तकनीकी विकास का स्वर्णिम युग प्रारंभ हुआ है। इस दिशा में मध्यप्रदेश सरकार ने राज्य के तकनीकी और औद्योगिक क्षेत्र को नई गति देने के लिये मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ

कॉन्क्लेव 2.0 का आयोजन इंदौर में किया है। यह आयोजन प्रदेश को भारत में उभरते टेक्नालॉजी मानचित्र पर अग्रणी स्थान दिलाने में की दिशा में ऐतिहासिक कदम सिद्ध हुआ है। राज्य सरकार की प्रगतिशील नीतियां, सुदृढ़ बुनियादी ढांचा, निवेश अनुकूल वातावरण और कुशल मानव संसाधन ने मध्यप्रदेश को ग्लोबल निवेशकों के लिये आकर्षण का केन्द्र बना दिया है। आईटी, एआई, सेमी कंडक्टर, ड्रोन, फिनटेक, क्लाउड और इससबीएम जैसे क्षेत्रों में प्रदेश की प्रगति तीव्र गति से हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन्टैर में मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 में कुल 68 कार्य हुए जिनमें उद्घाटन, भूमि-पूजन, आवंटन-पत्र वितरण, एग्रीमेंट, एमोयू, नीति एवं पोर्टल लॉन्च सहित उद्योगपतियों के

वेटलैण्ड संरक्षण नियमों का पालन नहीं, लापरवाही पर एनजीटी नाराज

भोपाल की भोज वेटलैण्ड के संरक्षण नियमों में लापरवाही पर एनजीटी ने नगर निगम और कलेक्टर को फटकार लगाई है। अधिकरण ने अवैध निर्माण हटाने और झील क्षेत्र की निगरानी खुद कलेक्टर से करने के निर्देश दिए हैं।

भोपाल/नवप्रदेश। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की भोपाल स्थित केंद्रीय पीठ ने भोज वेटलैण्ड (भोपाल वेटलैण्ड) के संरक्षण नियमों में लापरवाही बरतने पर भोपाल नगर निगम और कलेक्टर को कड़ी फटकार लगाई है। यह झील अंतरराष्ट्रीय महत्व की रामसर साइट है और पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र मानी जाती है। यह मामला पर्यावरण कार्यकर्ता राशิด नूर खान द्वारा दायर किया गया था, जिनकी ओर से अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने पक्ष रखा। सुनवाई न्यायमूर्ति शिव कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने की। अधिकरण ने भोपाल कलेक्टर को आदेश दिया कि वे इस पूरी कार्रवाई की व्यक्तिगत निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि झील क्षेत्र से सभी अवैध कब्जे और निर्माण हटाए जाएं। यह मामला अब 17 दिसंबर 2025 को अगली



सुनवाई के लिए तय किया गया है। तब तक नगर निगम और कलेक्टर को अपनी अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने कहा कि यह आदेश भोपाल की झीलों की रक्षा और पर्यावरणीय न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इससे भोज वेटलैण्ड जैसी अमूल्य प्राकृतिक धरोहर को निजी स्वार्थों और अवैध शहरी विस्तार से बचाया जा सकेगा।

अवैध निर्माण और गंदे पानी से बिगड़ रहा पर्यावरण

एनजीटी ने अपने आदेश में कहा कि भोज वेटलैण्ड क्षेत्र में अवैध निर्माण, अतिक्रमण और गंदे पानी का प्रवाह लगातार जारी है। यह न केवल पर्यावरणीय कानूनों का उल्लंघन है, बल्कि प्रशासनिक

जिम्मेदारी की भी अनदेखी है। पीठ ने कहा कि 7 अक्टूबर 2025 को दिए गए आदेश के बाद भी अतिक्रमण हटाने की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। नगर निगम ने बताया कि 38 अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं, लेकिन आगे की कार्यवाही अभी बाकी है। इस पर एनजीटी ने नाराजगी जताई।

संयुक्त निरीक्षण और सख्त कार्रवाई के आदेश

एनजीटी ने निर्देश दिया कि भोपाल नगर निगम और याचिकाकर्ता मिलकर संयुक्त निरीक्षण करें और झील के आसपास सभी अवैध निर्माणों की पहचान करें। साथ ही, अतिक्रमणकारियों और लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। पीठ ने याद दिलाया कि राज्य सरकार की अधिसूचना (16 मार्च

2022) के अनुसार झील की सीमाएं और बफर जोन तय हैं। झील का कुल क्षेत्रफल 3946.33 हेक्टेयर, जिसमें ऊपरी झील 3872.43 और निचली झील 73.90 हेक्टेयर है। शहरी क्षेत्र की ओर 50 मीटर, ग्रामीण क्षेत्र की ओर 250 मीटर बफर जोन निर्धारित है। कोलांस नदी और प्रमुख जलप्रवाहों के आसपास भी 250 मीटर तक बफर जोन लागू है। पीठ ने कहा कि इन नियमों का उल्लंघन ‘सार्वजनिक न्यास सिद्धांत’ (Doctrine of Public Trust) के खिलाफ है। प्राकृतिक संसाधन जनता की संपत्ति हैं और उन्हें निजी उपयोग के लिए नहीं छोड़ा जा सकता।

एनजीटी ने कहा कि यदि कानून लागू करने वाले ही कानून तोड़ेंगे, तो कानून की रक्षा कौन करेगा? यह टिप्पणी प्रशासनिक लापरवाही पर तीखी प्रतिक्रिया के रूप में देखी जा रही है। पीठ ने नगर निगम को एक माह के भीतर कार्यवाही प्रतिवेदन (Action Taken Report) पेश करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, राज्य वेटलैण्ड प्राधिकरण और वन विभाग के सहयोग से भोज वेटलैण्ड की परिस्थितिक स्थिति का आकलन (Ecological Assessment) और शीतकालीन पक्षी गणना करने को कहा गया है,

शून्य दुर्घटना लक्ष्य के साथ कार्य करें : प्रबंध संचालक तिवारी

एमपी ट्रांसको पूर्व क्षेत्र के फील्ड इंजीनियर्स की समीक्षा बैठक हुई

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश पाँवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के पूर्वी क्षेत्र के मैदानी कार्यपालन अभियंताओं की समीक्षा बैठक कंपनी मुख्यालय, जबलपुर में हुई। प्रबंध संचालक श्री सुनील तिवारी ने मैदानी कार्यपालन अभियंताओं से कहा कि एमपी ट्रांसको के ‘शून्य दुर्घटना लक्ष्य’ को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करें।

सुरक्षा के प्रति लापरवाही पर शून्य सहनशीलता (जिरो टालरेंस) अपनाएं और प्रत्येक कार्य में सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें। प्रबंध संचालक ने कहा कि सभी अधिकारी जहां कार्य कर रहे हैं वहां छोटे-छोटे सुधार करें एवं कंपनी की उत्तरोत्तर प्रगति में योगदान करें। कंपनी की भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिये प्रतिस्पर्धी और सक्षम बनें। उन्होंने मैदानी अभियंताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की दिशा में स्वयं को तैयार और प्रशिक्षित करें, जिससे भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप दक्षता विकसित हो सके। उन्होंने अभियंताओं से प्रोफेशनल नेटवर्किंग के माध्यम से सतत ज्ञानवृद्धि करने तथा ट्रांसमिशन लाइनों में कम ग्राउंड क्लियरेंस

की स्थिति की सूचना समय पर प्रशासन को देने तथा जनता को खतरे से आगाह करते हुए सूचना देने के निर्देश दिए। अपने सुरक्षा उपकरणों की समीक्षा के लिये एक विशेष समिति गठित करने के निर्देश दिए।

कंपनी की ओनरशिप लें नई पीढ़ी

प्रबंध संचालक ने नई पीढ़ी के अभियंताओं के साथ सीधा संवाद करते हुए कहा कि पुरानी पीढ़ी शीघ्र ही रिटायर होने वाली है इसलिए आप कंपनी की ओनरशिप लीजिए और भविष्य की चुनौतियों के लिए अपने को तैयार कीजिए। प्रबंध संचालक ने कहा कि आगामी 2 माह ट्रांसमिशन कंपनी के लिए चुनौती वाले हैं। इस दरमियान रबी सीजन के महेनजर बढ़ती बिजली की मांग से निपटने के लिए ट्रांसमिशन नेटवर्क की स्थिरता और विश्वसनीयता बनाए रखने के सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने ट्रांसमिशन लाइनों, सब स्टेशनों में ट्रांसफार्मर लोडिंग और उनकी ट्रिपिंग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि समय पर प्रीवेंटिव मेन्टेनेंस किया जाए जिससे ब्रेकडाउन की स्थिति से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि फील्ड अधिकारियों के हमेशा सजग और सतर्क रहने से ही एमपी ट्रांसको में ट्रिपिंग कम हुई है और ब्रेकडाउन का समय कम किया जा सका है।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के शिक्षकों के भत्तों को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए प्रस्ताव करें तैयार: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भर्ती प्रक्रिया, अधोसंरचना विकास एवं चिकित्सकीय सेवाओं की गुणवत्ता सुधार के लिए निर्देश

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में चिकित्सा शिक्षा संस्थानों, अधोसंरचना विकास परियोजनाओं, भर्ती प्रक्रिया तथा अस्पताल सेवाओं से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि विभाग में पारदर्शिता और गति सुनिश्चित करने के लिए पीईबी एवं मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से संचालित

भर्ती प्रक्रियाओं को त्वरित और समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि भर्ती कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो और प्रत्येक चरण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विभागीय अधोसंरचना विकास परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों, उपकरणों की स्थापना तथा नई स्वास्थ्य इकाइयों के क्रियान्वयन से संबंधित परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग

आती है तो उसे प्राथमिकता से अग्रणी कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित

की जाए। यदि किसी भी स्तर पर तकनीकी या प्रशासनिक समस्या

लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट शिक्षकों की उपलब्धता और शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए यह कदम आवश्यक है। इससे मेडिकल शिक्षा संस्थानों में दक्ष मानव संसाधन को बनाए रखने में सहायता मिलेगी। बैठक में अपर मुख्य सचिव (वित्त) श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव (लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा) श्री संदीप यादव सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।



सुविचार

बदल गई है जमाने की रंगत जनाब, आजकल वही लोग अंजान बनते हैं जो सब कुछ जानते हैं। - अज्ञात

उल्टा चोर कोतवाल को डांटे

देश की राजधानी नई दिल्ली में हुए बम विस्फोट के बाद पाकिस्तान ने अभी से इस घटना के पीछे अपना हाथ होने की बात को नकारना जबकि अभी तक भारत की ओर से यह नहीं कहा गया है कि इस धमाके में पाकिस्तान का हाथ है। अभी तो इस घटना की उच्च स्तरीय जांच पड़ताल ही हो रही है जब इसके सारे सबूत सामने आ जाएंगे तभी भारत सरकार यह तय करेगी की इस घटना का मुख्य साजिशकर्ता कौन है और उसके खिलाफ कैसी कार्यवाही करनी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली विस्फोट के साजिशकर्ताओं को कतई नहीं बख्शा जाएगा। पीएम मोदी की इस चेतावनी से ही पाकिस्तान में हड़कंप मच गया है और संयोगवश दिल्ली धमाके दूसरे ही दिन पाकिस्तान में ही एक आत्मघाती विस्फोट की घटना हो गई जिसमें भी 12 लोग मारे गए हैं। पाकिस्तान में हुए इस आत्मघाती विस्फोट के लिए पाकिस्तान भारत को जिम्मेदार ठहराकर उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली कहावत को चरितार्थ कर रहा है। वहीं पाकिस्तान के रक्षामंत्री खान्जा अब्बास ने दिल्ली धमाके के बारे में यह बयान दिया है कि दिल्ली में गैस सिलेंडर विस्फोट के कारण धमाका हुआ है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भी पाकिस्तान में हुए धमाके का ठिकरा भारत के लिए पर फोड़ा है। जाहिर है चोर की दाढ़ी तिनका है। दिल्ली विस्फोट की जांच ज्यों-ज्यों आगे बढ़ रही है त्यों-त्यों कई सनसनीखेज खुलासे हो रहे हैं। इस घटना के पीछे भले ही भारत में काम कर रहे स्लीपर सेल सामने आये हैं लेकिन उनके तार पाकिस्तान के कुख्यात आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैय्यबा के जुड़ने के सबूत मिलने लगे हैं। यह तो गनीमत है कि श्रीनगर के पुलिस अधीक्षक ने वहां लगे एक पोस्टर की जांच करवाते तो इतनी बड़ी साजिश का खुलासा हुआ और देश में आतंक फैलाने की एक बहुत बड़ी साजिश का पर्दाफाश हो गया। इसके लिए भारत का खुफिया विभाग और जांच एजेंसियां बधाई की पात्र हैं। जिन्होंने समय रहते इन आतंकियों की जांच पड़ताल शुरू कर दी अन्यथा दिल्ली धमाके से भी ज्यादा खतरनाक कई धमाके करने की साजिश सफल हो जाती। फिलहाल इसकी सूक्ष्म जांच हो रही है और यदि इस घटना के पीछे पाकिस्तान का हाथ पाया जाता है तो यह तय है कि आपरेशन सिंदूर पार्ट -2 जल्द शुरू होगा और इस बार पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाया जाएगा जिसे उसकी आने वाली कई पीढ़ियां याद रखेंगी।

हाल्फ बिजली बिल योजना पर पुनर्विचार जरूरी

छत्तीसगढ़ में पूर्ववर्तीय कांग्रेस सरकार ने घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को रहत देने के लिए हाल्फ बिजली बिल योजना लागू की थी जिसके तहत 400 यूनिट तक 50 प्रतिशत की छूट दी जाती थी किन्तु प्रदेश में विष्णुदेव साय के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने के बाद पुनरीक्षित हाल्फ बिल योजना एक अगस्त से लागू कर दी गई जिसमें 100 यूनिट तक की बिजली खपत पर ही हाल्फ बिल योजना का लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाने लगा। 100 यूनिट से 1 यूनिट से भी अधिक खपत होने पर उन्हें हाल्फ बिल से वंचित किया जाना लगा। नतीजतन उपभोक्ताओं को भारी भरकम बिजली बिल चुकाने पड़ रहे हैं और इस बीच बिजली दर में भी गई वृद्धि से लोगों में नाराजगी बढ़ने लगी है। जनभावनाओं को देखते हुए एक राज्य सरकार ने हाल्फ बिजली बिल योजना में फिर एक बार बदलाव की कवायद शुरू की है। वास्तव में जनहित में यह जरूरी है कि हाल्फ बिजली बिल योजना पर पुनर्विचार किया जाये। फिलहाल सरकार 100 यूनिट की जगह 200 यूनिट की खपत पर हाल्फ बिल योजना लागू करने का विचार कर रही है जिससे लगभग 20 लाख उपभोक्ता लाभ के दायरे में आ जाएंगे। किन्तु इससे बाद भी बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं में भारी भरकम बिजली बिल चुकानी पड़ेगी। इसलिए बेहतर होगा कि पूर्ववर्तीय कांग्रेस सरकार द्वारा जो 400 यूनिट तक खपत पर बिजली बिल में पचास प्रतिशत की रियायत दी जाती थी उसे फिर से लागू करे। अन्यथा बिजली बिल को लेकर उपभोक्ताओं का असंतोष दूर नहीं होगी। वैसे भी बिजली बिलों में भारी बढ़ोत्तरी होने के कारण अब साधन संपन्न लोग पीएम सूर्यग्र योजना के तहत सौर ऊर्जा पैनल लगाने लगे हैं। किन्तु यह एक खर्चीला काम है और आम आदमी के लिए सौर ऊर्जा पैनल लगवाना आसान नहीं है इसलिए उन लोगों को बिजली बिल हाल्फ योजना में ही ज्यादा से ज्यादा छूट प्रदान करके ही सहूलियत दी जा सकती है। राज्य सरकार को इस बारे मे गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए।

सदगुरु बोधामृतम

❖ अपने चित्त में स्थान मत दीजिए दुर्जनों को, दुष्टों को, जिनके साधन विरुद्ध चेष्टएं हैं, जिनके कर्म प्रकृति और परमात्मा के विपरीत हैं। इस समाज में रहते हुए हां जी हां जी उनसे भी करना पड़े तो बाज मत आना, कर लेना। कोई बैर-विरोध की दृष्टि मत करना क्योंकि दुर्जनों से कहीं युद्ध में फंस गए तो तुम्हारा जो आत्म कल्याण का मार्ग है वो अवरुद्ध हो जायेगा और तुम्हारा आत्म कल्याण रुक जाएगा।

आज का इतिहास

नयी दिल्ली(वार्ता)। 1681 ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल को एक अलग रियासत बनाने का ऐलान किया। 1889 स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का जन्म। 1922 ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग कोरपोरेशन (बीबीसी) ने ब्रिटेन में रेडियो सेवा की शुरूआत की। 1935 आधुनिक जार्डन के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने वाले शाह हुसैन का जन्म। उन्होंने 1953 से 1999 तक जार्डन पर शासन किया। 1948 : प्रिंस चार्ल्स का जन्म। वह महारानी एलिजाबेथ द्वितीय और प्रिंस फिलिप के सबसे बड़े पुत्र हैं। 1955 कर्माचरी राज्य बीमा निगम का उद्घाटन। 1964 : आज के दिन को बाल दिवस के रूप में मनाने का आधिकारिक ऐलान। 1969 : अपोलो-12 को प्रक्षेपित किया गया, जो तीन अंतरिक्षयात्रियों को लेकर आकाश की अनंत गहराइयों को पार करते हुए चंद्रमा पर पहुंचा।



श्वेता गोयल

जब नेहरू जी ने बच्चों की परेशानी को देखा तो उनसे रहा न गया। उन्होंने उन बच्चों से दो बाट्टी पानी मगवाया और पानी लकड़ी के उस खोल में भर दिया। फिर क्या था, पानी भरते ही गंद पानी में ऊपर आ गई और उन्होंने गंद निकालकर बच्चों को दे दी। सभी बच्चे बालक जवाहरलाल की बुद्धिमता से बहुत प्रभावित हुए। बच्चों के साथ-साथ देश और जनता से भी नेहरू जी बहुत प्यार करते थे और यही कारण था कि अधिकांश देशवासी भी उनसे उतना ही स्नेह करते थे और उन्हें आदर-सम्मान देते थे, जितना बच्चे देते थे। 74 वर्ष की आयु में 27 मई 1964 को पंडित जी स्वर्ग सिंधार गए लेकिन अपने निधन से पूर्व अपनी वसीयत में उन्होंने लिखा, ‘‘मेरे मरने के बाद मेरी अस्थियां देश के उन खेतों में बिखरे दी जाएं, जहां भारत का किसान अपना पसीना बहाता है ताकि वे देश की मिट्टी में मिल जाएं।’’ ऐसे थे बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू!

फरीदाबाद से लाल किला तक : दिल्ली ब्लास्ट ने खोली साजिश की परतें



- महेन्द्र तिवारी

- महेन्द्र तिवारी
10 नवंबर 2025 की शाम लाल किले के पास सफेद रंग की एक हंडई आई-20 में हुए धमाके ने कुछ ही पलों में देश की राजधानी को दहशत में डाल दिया। कुछ ही मिनटों में पूरा इलाका पुलिस, एम्बुलेंस और दमकल की गाड़ियों से भर गया। धुएँ के बादल, लोगों की चीखें, और भागते हुए कदमों की आवाजें—यह किसी हदसे का नहीं, बल्कि योजनाबद्ध आतंकी हमले का दृश्य था। शुरुआती जांच में यह सामने आया कि धमाके में अमेनियमनाइट्रेट और पेंटाएरिथ्रॉलटेट्रानाइट्रेट (PETN) जैसे उच्च श्रेणी के विस्फोटक इस्तेमाल किए गए थे। यह कोई साधारण हमला नहीं था; यह एक संदेश था—कि आतंक अब अपना चेहरा बदल चुका है।

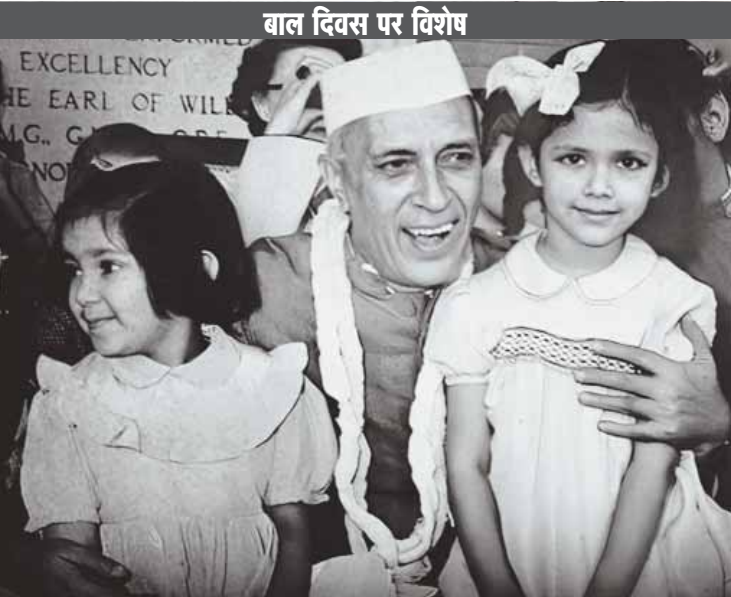
जांच ने जैसे-जैसे रफ्तार पकड़ी, एक ऐसा सच सामने आया जिसने पूरे देश को झकझोर दिया। धमाके में शामिल कार एक डॉक्टर के नाम पर दर्ज थी—एक ऐसा व्यक्ति जो जीवन बचाने की शपथ ले चुका था, लेकिन मौत का सौदागर बन बैठा। फरीदाबाद के एक मेडिकलकॉलेज से जुड़े डॉक्टर मोहम्मद उमर नबी का नाम जैसे ही सामने आया, समाज में सनाटा छत्र उसी। झीएनए रिपोर्ट ने पुष्टि की कि मलबे में मिली लाश गयी। लेकिन असली झटका तब लगा जब यह खुलासा हुआ कि यह कोई अकेला भटका हुआ युवक

अभिव्यक्ति

बचपन के रंगों में रचा-बसा था नेहरू जी का जीवन दर्शन

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की शख्सियत से भला कौन परिचित नहीं होगा। बच्चों से उन्हें इतना लगाव था कि उन्हें प्यार से ‘बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू’ कहा जाने लगा था। अपने कोट की जेब पर हमेशा प्रेम का प्रतीक गुलाब का फूल लगाए रहने वाले जवाहरलाल नेहरू बच्चों से इतना स्नेह करते थे कि आज भी वह देश के प्रथम प्रधानमंत्री से पहले ‘चाचा नेहरू’ के रूप में ही अधिक याद किए जाते हैं। बच्चों के प्रति पंडित नेहरू के इस विशेष लगाव को देखते हुए ही सन् 1956 से उनके जन्मदिन को ‘बाल दिवस’ के रूप में मनाने का निश्चय किया गया था और तभी से पंडित नेहरू का जन्मदिवस (14 नवंबर) बाल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। जब उनके जन्मदिवस को ‘बाल दिवस’ के रूप में मनाने का निश्चय किया गया था, तब नेहरू जी ने कहा था, ‘‘मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरे देश के बच्चों ने मेरे जन्मदिन को ही ‘अपना दिन’ बना लिया है। इससे ज्यादा इज्जत और खुशी की बात भला मेरे लिए और क्या हो सकती है कि मेरे मुल्क के बगीचे के इन कोमल फूलों और कोंपलों ने मुझे अपना इतना स्नेह दिया है। मेरी यही कामना है कि इन सबको फलने-फूलने का पर्याप्त अवसर मिले।’’

पं. जी के जीवनकाल के अनेक ऐसे संस्मरण एवं किस्से उद्धृत किए जा सकते हैं, जो उनकी महान् शख्सियत और बच्चों के प्रति उनका अपार स्नेह बयान करते हैं। एक बार नेहरू जी बाल मंदिर देखने गए थे, जहां तीन से पांच साल तक के बच्चे पढ़ते थे। उस समय सभी बच्चे नाच-गाने में मग्न



थे। जब पंडित जी वहां पहुंचे और दूर बैठकर बच्चों का नाच-गाना देखने लगे तो एक चार वर्षीया बालिका उनके पास आई और बड़े अनुरोधपूर्वक कहा कि आप भी हमारा साथ दीजिए। पहले तो पंडित जी काफ़ी ना-नुकूर करते रहे। उन्होंने बच्चों को यह कहकर बहलाने का प्रयास भी किया कि इस बार तो नहीं लेकिन अगली बार तुम्हारे साथ जरूर नाचूंगा लेकिन जब उस बच्ची ने ज़िद पकड़ ली तो आखिर पंडित जी को उस छोटी सी बच्ची के आगे झुकना पड़ा और इतने विशाल देश के प्रधानमंत्री होते हुए भी उन बच्चों की खुशी के लिए उनके साथ वे बच्चा बनकर नाचे। जब दीवाली का मौका होता तो वे अपने नाती राजीव और संजय के बाल मित्रों को आनंद भवन बुलाते

और उनके साथ दीवाली मनाते हुए कहते कि बच्चों आतिशबाजी चलाकर दीपावली मनाओ और खुशियां बांटो। जो बच्चे पटाखे चलाते हुए डरते, उन्हें कहते कि जो बच्चे इन छोटे-छोटे पटाखों से ही डर जाएंगे, वे आगे चलकर देश के बहादुर सिपाही कैसे बनेंगे? कभी-कभी वह इलाहाबाद में दीवाली की रात बाहर का नजारा देखने निकल पड़ते और रास्ते में गरीब बच्चों को भी मिठाईयां, नाए कपड़े और पटाखे देते हुए उनके साथ पटाखे चलाने लगते।

एक बार उन्हें किसी जरूरी काम से दीवाली पर मास्को जाना पड़ा। उस समय तक वहां दीवाली के मौके पर पटाखे नहीं चलाए जाते थे लेकिन पंडित जी की दीवाली तो बच्चों के साथ पटाखे चलाए बिना

अधूरी थी। इसलिए उन्होंने वहां भी बच्चों से पटाखे मंगवाए और काफ़ी बच्चों को एकत्रित कर उनके साथ पटाखे चलाने लगे। वहां के बच्चे पटाखों की रंग-बिरंगी रोशनी और धूमधड़के से बहुत प्रभावित हुए और खुशी से झूम उठे। उसके बाद से मास्को में भी हर साल दीवाली के मौके पर पटाखे चलाने का दौर शुरू हो गया।

नेहरू जी छोटे थे, तब की एक घटना है। एक बार मैदान में कुछ बच्चे गेंद से खेल रहे थे। खेलते-खेलते गेंद उछलकर लकड़ी के एक बच्चे पटाखों में जा गिरी। खेल का मुंह छेटा था, इसलिए बच्चों से बहुत कोशिश के बाद भी गेंद नहीं निकल पा रही थी। जब नेहरू जी ने बच्चों की परेशानी को देखा तो उनसे रहा न गया। उन्होंने उन बच्चों से दो बाट्टी पानी मंगवाया और पानी लकड़ी के उस खोल में भर दिया। फिर क्या था, पानी भरते ही गेंद पानी में ऊपर आ गई और उन्होंने गेंद निकालकर बच्चों को दे दी। सभी बच्चे बालक जवाहरलाल की बुद्धिमता से बहुत प्रभावित हुए।

बच्चों के साथ-साथ देश और जनता से भी नेहरू जी बहुत प्यार करते थे और यही कारण था कि अधिकांश देशवासी भी उनसे उतना ही स्नेह करते थे और उन्हें आदर-सम्मान देते थे, जितना बच्चे देते थे। 74 वर्ष की आयु में 27 मई 1964 को पंडित जी स्वर्ग सिंधार गए लेकिन अपने निधन से पूर्व अपनी वसीयत में उन्होंने लिखा, ‘‘मेरे मरने के बाद मेरी अस्थियां देश के उन खेतों में बिखरे दी जाएं, जहां भारत का किसान अपना पसीना बहाता है ताकि वे देश की मिट्टी में देश की जाएं।’’ ऐसे थे बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू!



नहीं था, बल्कि एक संगठित +व्हाइट कॉलर टेररनेट वर्क+क।हिस्साथा—जहाँआतंकीअबबंदूकनहीं, बल्कि ड्रिग्री और ज्ञान की आड़ में काम कर रहे थे।

धौज गांव में हुई छपेमारी में हजारों किलो विस्फोटक, डिटोनेटर और विदेशी नेटवर्क से जुड़े दस्तावेज मिले। जांच में यह भी पता चला कि उमर ने कुछ महीने पहले तुर्की की यात्रा की थी, जहाँ उसकी मुलाकात जैश-ए-मोहम्मद के एक हैडलर से हुई। वहीं से भारत के प्रमुख राष्ट्रीय प्रतीकों पर हमले की योजना बनी। सूत्रों के मुताबिक, इस हमले को 26 जनवरी या किसी बड़े त्योहार के मौके पर अंजाम देने की योजना थी, ताकि देश की आत्मा को झकझोरा जा सके। लेकिन सहयोगियों की गिरफ्तारी के डर से उन्होंने यह कदम जल्दबाजी में उठाया। शायद इसी वजह से उनका नेटवर्क पूरी तरह सक्रिय नहीं हो पाया, और देश एक बहुत बड़ी तबाही से बच गया।

इस पूरे मामले ने एक गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है—जब आतंक की जड़ें अब शिक्षा संस्थानों और

अस्पतालों में पहुँचने लगें, तो समाज कहीं सुरक्षित बचेगा? डॉक्टर, जो जीवन बचाने का प्रतीक होता है, जब वही विनाश का कारण बन जाए, तो यह सिर्फ कानूनन-व्यवस्था की नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना की हार होती है। फ़ीदाबाद के अल-फ़त्ताह यूनिवर्सिटी का नाम भी इस जांच में आने के बाद बहस का विषय बना रहा। विश्वविद्यालय ने भले ही कहा कि इन व्यक्तियों का संस्थान की नीति से कोई संबंध नहीं, लेकिन लोगों के मन में यह प्रश्न गूँजता रहा कि आखिर शिक्षा और कट्टरता का यह संगम कैसे संभव हुआ?

डॉ. शाहीन शाहिद और डॉ. पारवेज़ अंसारी की गिरफ्तारी ने इस नेटवर्क का एक और चेहरा उजागर किया—+जमात-उल-मोमिनात+नामकसंगठन, जो महिलाओं में वैचारिक उन्नता फैलाने का कार्य कर रहा था। अब आतंकवाद का नया चेहरा खुलकर सामने आ चुका है। यह अब बम और गोलियों से नहीं, बल्कि विचारों और विश्वासों से लड़ाई लड़ रहा है। यह आतंक का +इंटेलेक्चुअलवर्जन+है—जहाँलोगिकितावों, प्रवचनों और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए जूझ रहे हैं।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया



अपने अपने देवता

अपने अपने देवता चलो चलें बनाते हैं हम सभी मिल अपने अपने देवता और बनाते हैं अपना अपना धर्म और फिर बनाते हैं उसपर चलने के नियम और फिर नियम विरुद्ध चलने वालों के लिए बन जाते हैं शैतान - अपने अपने देवता और अपने अपने धर्म के लिए - चलो चलें लड़ते हैं करते हैं इसानियत का खून... और फिर ऐसे सिद्ध करते हैं खुद का मनुष्य होना हॉ हम मनुष्य हैं- सम्झदारो लेकर पैदा हुए हैं... तभी तो कर सकते हैं फैसला हमारे देवता का और तुम्हारे देवता का। - सीमा राय

नील परी सी नाँच

नील परी सी नाँच रहैं लहरें झूम रहे रंगी, रंगी दिशाएं फिर काहे मांझी हम जाएं किनारे। देखो लहरों का ये इटलाना कितना इधर का मौसम सुहाना लौट रहैं है साहिल से मिल के जा रहैं छुप कर, किनारे किनारे फिर काहे मांझी... प्यार के ख्यालों में है खोई नील चादर पे, चांदनी सोई किसने सुना कर दिल का तराना रात बहारों के और निखारे फिर काहे मांझी...।

- अजय कुमार सिंह भदौरिया कवि

मेरा एगिजट पोल - बिहार मैंने

मेरा एगिजट पोल - बिहार मैंने इस वर्ष चुनावी भविष्यवाणी करने का कारोबार शुरू किया है । मेरे अनुमान से वर्तमान बिहार चुनाव में एक ही दल को 243 सीट मिलेंगी और इन्हें किसी बैसाखी की जरूरत नहीं पड़ेगी । पार्टी का नाम पाठकों पर छोड़ देता हूँ । - रामकिशोर उपाध्याय

एक ही शख्स था मेरी खातिर वो



अब भी रक्खी है अब मगर दरिया कहीं नहीं बहता!! - नीरू श्रीवास्तव

कैसा अफ़साना लिख रही हूँ मैं/ लोग

कैसा अफ़साना लिख रही हूँ मैं/ लोग रोयेंगे सोचती हूँ मैं/1 बेवफ़ा बाद तेरे जाने के खुद को हारी हुई लगी हूँ मैं/2 इस तरह दिल से क्यों

जोधैया बाई किस भारतीय

जनजातीय समुदाय से संबंधित थीं?

किया गया?

3) 12 जनवरी 2024 को जापानी

सरकार द्वारा लॉन्च किए गए सूचना

संग्रह उपग्रह का क्या नाम है?

4) विश्व का पहला समाचार पत्र

किसने प्रकाशित किया?

5) हाल ही में गिनका निधन हुआ,

जोधैया बाई किस भारतीय

जनजातीय समुदाय से संबंधित थीं?

किया गया?

3) 12 जनवरी 2024 को जापानी

सरकार द्वारा लॉन्च किए गए सूचना

संग्रह उपग्रह का क्या नाम है?

4) विश्व का पहला समाचार पत्र

किसने प्रकाशित किया?

5) हाल ही में गिनका निधन हुआ,

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य -227

(भाषाएँ समूह 2)

वाक्य से शब्द

1. वाक्य: दीर्घपुत्र (चंद्र) 5.
2. वाक्य: दीर्घपुत्र 7. ताकतवा,
3. वाक्य: दीर्घपुत्र 9. वाक्य: दीर्घपुत्र 10.
4. वाक्य: दीर्घपुत्र 11. वाक्य: दीर्घपुत्र 12.
5. वाक्य: दीर्घपुत्र 13. वाक्य: दीर्घपुत्र 14.
6. वाक्य: दीर्घपुत्र 15. वाक्य: दीर्घपुत्र 16.
7. वाक्य: दीर्घपुत्र 17. वाक्य: दीर्घपुत्र 18.
8. वाक्य: दीर्घपुत्र 19. वाक्य: दीर्घपुत्र 20.
9. वाक्य: दीर्घपुत्र 21. वाक्य: दीर्घपुत्र 22.
10. वाक्य: दीर्घपुत्र 23. वाक्य: दीर्घपुत्र 24.
11. वाक्य: दीर्घपुत्र 25. वाक्य: दीर्घपुत्र 26.
12. वाक्य: दीर्घपुत्र 27. वाक्य: दीर्घपुत्र 28.
13. वाक्य: दीर्घपुत्र 29. वाक्य: दीर्घपुत्र 30.
14. वाक्य: दीर्घपुत्र 31. वाक्य: दीर्घपुत्र 32.
15. वाक्य: दीर्घपुत्र 33. वाक्य: दीर्घपुत्र 34.
16. वाक्य: दीर्घपुत्र 35. वाक्य: दीर्घपुत्र 36.
17. वाक्य: दीर्घपुत्र 37. वाक्य: दीर्घपुत्र 38.
18. वाक्य: दीर्घपुत्र 39. वाक्य: दीर्घपुत्र 40.
19. वाक्य: दीर्घपुत्र 41. वाक्य: दीर्घपुत्र 42.
20. वाक्य: दीर्घपुत्र 43. वाक्य: दीर्घपुत्र 44.
21. वाक्य: दीर्घपुत्र 45. वाक्य: दीर्घपुत्र 46.
22. वाक्य: दीर्घपुत्र 47. वाक्य: दीर्घपुत्र 48.
23. वाक्य: दीर्घपुत्र 49. वाक्य: दीर्घपुत्र 50.
24. वाक्य: दीर्घपुत्र 51. वाक्य: दीर्घपुत्र 52.
25. वाक्य: दीर्घपुत्र 53. वाक्य: दीर्घपुत्र 54.
26. वाक्य: दीर्घपुत्र 55. वाक्य: दीर्घपुत्र 56.
27. वाक्य: दीर्घपुत्र 57. वाक्य: दीर्घपुत्र 58.
28. वाक्य: दीर्घपुत्र 59. वाक्य: दीर्घपुत्र 60.
29. वाक्य: दीर्घपुत्र 61. वाक्य: दीर्घपुत्र 62.
30. वाक्य: दीर्घपुत्र 63. वाक्य: दीर्घपुत्र 64.
31. वाक्य: दीर्घपुत्र 65. वाक्य: दीर्घपुत्र 66.
32. वाक्य: दीर्घपुत्र 67. वाक्य: दीर्घपुत्र 68.
33. वाक्य: दीर्घपुत्र 69. वाक्य: दीर्घपुत्र 70.
34. वाक्य: दीर्घपुत्र 71. वाक्य: दीर्घपुत्र 72.
35. वाक्य: दीर्घपुत्र 73. वाक्य: दीर्घपुत्र 74.
36. वाक्य: दीर्घपुत्र 75. वाक्य: दीर्घपुत्र 76.
37. वाक्य: दीर्घपुत्र 77. वाक्य: दीर्घपुत्र 78.
38. वाक्य: दीर्घपुत्र 79. वाक्य: दीर्घपुत्र 80.
39. वाक्य: दीर्घपुत्र 81. वाक्य: दीर्घपुत्र 82.
40. वाक्य: दीर्घपुत्र 83. वाक्य: दीर्घपुत्र 84.
41. वाक्य: दीर्घपुत्र 85. वाक्य: दीर्घपुत्र 86.
42. वाक्य: दीर्घपुत्र 87. वाक्य: दीर्घपुत्र 88.
43. वाक्य: दीर्घपुत्र 89. वाक्य: दीर्घपुत्र 90.
44. वाक्य: दीर्घपुत्र 91. वाक्य: दीर्घपुत्र 92.
45. वाक्य: दीर्घपुत्र 93. वाक्य: दीर्घपुत्र 94.
46. वाक्य: दीर्घपुत्र 95. वाक्य: दीर्घपुत्र 96.
47. वाक्य: दीर्घपुत्र 97. वाक्य: दीर्घपुत्र 98.
48. वाक्य: दीर्घपुत्र 99. वाक्य: दीर्घपुत्र 100.
49. वाक्य: दीर्घपुत्र 101. वाक्य: दीर्घपुत्र 102.
50. वाक्य: दीर्घपुत्र 103. वाक्य: दीर्घपुत्र 104.
51. वाक्य: दीर्घपुत्र 105. वाक्य: दीर्घपुत्र 106.
52. वाक्य: दीर्घपुत्र 107. वाक्य: दीर्घपुत्र 108.
53. वाक्य: दीर्घपुत्र 109. वाक्य: दीर्घपुत्र 110.
54. वाक्य: दीर्घपुत्र 111. वाक्य: दीर्घपुत्र 112.
55. वाक्य: दीर्घपुत्र 113. वाक्य: दीर्घपुत्र 114.
56. वाक्य: दीर्घपुत्र 115. वाक्य: दीर्घपुत्र 116.
57. वाक्य: दीर्घपुत्र 117. वाक्य: दीर्घपुत्र 118.
58. वाक्य: दीर्घपुत्र 119. वाक्य: दीर्घपुत्र 120.
59. वाक्य: दीर्घपुत्र 121. वाक्य: दीर्घपुत्र 122.
60. वाक्य: दीर्घपुत्र 123. वाक्य: दीर्घपुत्र 124.
61. वाक्य: दीर्घपुत्र 125. वाक्य: दीर्घपुत्र 126.
62. वाक्य: दीर्घपुत्र 127. वाक्य: दीर्घपुत्र 128.
63. वाक्य: दीर्घपुत्र 129. वाक्य: दीर्घपुत्र 130.
64. वाक्य: दीर्घपुत्र 131. वाक्य: दीर्घपुत्र 132.
65. वाक्य: दीर्घपुत्र 133. वाक्य: दीर्घपुत्र 134.
66. वाक्य: दीर्घपुत्र 135. वाक्य: दीर्घपुत्र 136.
67. वाक्य: दीर्घपुत्र 137. वाक्य: दीर्घपुत्र 138.
68. वाक्य: दीर्घपुत्र 139. वाक्य: दीर्घपुत्र 140.
69. वाक्य: दीर्घपुत्र 141. वाक्य: दीर्घपुत्र 142.
70. वाक्य: दीर्घपुत्र 143. वाक्य: दीर्घपुत्र 144.
71. वाक्य: दीर्घपुत्र 145. वाक्य: दीर्घपुत्र 146.
72. वाक्य: दीर्घपुत्र 147. वाक्य: दीर्घपुत्र 148.
73. वाक्य: दीर्घपुत्र 149. वाक्य: दीर्घपुत्र 150.
74. वाक्य: दीर्घपुत्र 151. वाक्य: दीर्घपुत्र 152.
75. वाक्य: दीर्घपुत्र 153. वाक्य: दीर्घपुत्र 154.
76. वाक्य: दीर्घपुत्र 155. वाक्य: दीर्घपुत्र 156.
77. वाक्य: दीर्घपुत्र 157. वाक्य: दीर्घपुत्र 158.
78. वाक्य: दीर्घपुत्र 159. वाक्य: दीर्घपुत्र 160.
79. वाक्य: दीर्घपुत्र 161. वाक्य: दीर्घपुत्र 162.
80. वाक्य: दीर्घपुत्र 163. वाक्य: दीर्घपुत्र 164.
81. वाक्य: दीर्घपुत्र 165. वाक्य: दीर्घपुत्र 166.
82. वाक्य: दीर्घपुत्र 167. वाक्य: दीर्घपुत्र 168.
83. वाक्य: दीर्घपुत्र 169. वाक्य: दीर्घपुत्र 170.
84. वाक्य: दीर्घपुत्र 171. वाक्य: दीर्घपुत्र 172.
85. वाक्य: दीर्घपुत्र 173. वाक्य: दीर्घपुत्र 174.
86. वाक्य: दीर्घपुत्र 175. वाक्य: दीर्घपुत्र 176.
87. वाक्य: दीर्घपुत्र 177. वाक्य: दीर्घपुत्र 178.
88. वाक्य: दीर्घपुत्र 179. वाक्य: दीर्घपुत्र 180.
89. वाक्य: दीर्घपुत्र 181. वाक्य: दीर्घपुत्र 182.
90. वाक्य: दीर्घपुत्र 183. वाक्य: दीर्घपुत्र 184.
91. वाक्य: दीर्घपुत्र 185. वाक्य: दीर्घपुत्र 186.
92. वाक्य: दीर्घपुत्र 187. वाक्य: दीर्घपुत्र 188.
93. वाक्य: दीर्घपुत्र 189. वाक्य: दीर्घपुत्र 190.
94. वाक्य: दीर्घपुत्र 191. वाक्य: दीर्घपुत्र 192.
95. वाक्य: दीर्घपुत्र 193. वाक्य: दीर्घपुत्र 194.
96. वाक्य: दीर्घपुत्र 195. वाक्य: दीर्घपुत्र 196.
97. वाक्य: दीर्घपुत्र 197. वाक्य: दीर्घपुत्र 198.
98. वाक्य: दीर्घपुत्र 199. वाक्य: दीर्घपुत्र 200.
99. वाक्य: दीर्घपुत्र 201. वाक्य: दीर्घपुत्र 202.
100. वाक्य: दीर्घपुत्र 203. वाक्य: दीर्घपुत्र 204.
101. वाक्य: दीर्घपुत्र 205. वाक्य: दीर्घपुत्र 206.
102. वाक्य: दीर्घपुत्र 207. वाक्य: दीर्घपुत्र 208.
103. वाक्य: दीर्घपुत्र 209. वाक्य: दीर्घपुत्र 210.
104. वाक्य: दीर्घपुत्र 211. वाक्य: दीर्घपुत्र 212.
105. वाक्य: दीर्घपुत्र 213. वाक्य: दीर्घपुत्र 214.
106. वाक्य: दीर्घपुत्र 215. वाक्य: दीर्घपुत्र 216.
107. वाक्य: दीर्घपुत्र 217. वाक्य: दीर्घपुत्र 218.
108. वाक्य: दीर्घपुत्र 219. वाक्य: दीर्घपुत्र 220.
109. वाक्य: दीर्घपुत्र 221. वाक्य: दीर्घपुत्र 222.
110. वाक्य: दीर्घपुत्र 223. वाक्य: दीर्घपुत्र 224.
111. वाक्य: दीर्घपुत्र 225. वाक्य: दीर्घपुत्र 226.
112. वाक्य: दीर्घपुत्र 227. वाक्य: दीर्घपुत्र 228.
113. वाक्य: दीर्घपुत्र 229. वाक्य: दीर्घपुत्र 230.
114. वाक्य: दीर्घपुत्र 231. वाक्य: दीर्घपुत्र 232.
115. वाक्य: दीर्घपुत्र 233. वाक्य: दीर्घपुत्र 234.
116. वाक्य: दीर्घपुत्र 235. वाक्य: दीर्घपुत्र 236.
117. वाक्य: दीर्घपुत्र 237. वाक्य: दीर्घपुत्र 238.
118. वाक्य: दीर्घपुत्र 239. वाक्य: दीर्घपुत्र 240.
119. वाक्य: दीर्घपुत्र 241. वाक्य: दीर्घपुत्र 242.
120. वाक्य: दीर्घपुत्र 243. वाक्य: दीर्घपुत्र 244.
121. वाक्य: दीर्घपुत्र 245. वाक्य: दीर्घपुत्र 246.
122. वाक्य: दीर्घपुत्र 247. वाक्य: दीर्घपुत्र 248.
123. वाक्य: दीर्घपुत्र 249. वाक्य: दीर्घपुत्र 250.
124. वाक्य: दीर्घपुत्र 251. वाक्य: दीर्घपुत्र 252.
125. वाक्य: दीर्घपुत्र 253. वाक्य: दीर्घपुत्र 254.
126. वाक्य: दीर्घपुत्र 255. वाक्य: दीर्घपुत्र 256.
127. वाक्य: दीर्घपुत्र 257. वाक्य: दीर्घपुत्र 258.
128. वाक्य: दीर्घपुत्र 259. वाक्य: दीर्घपुत्र 260.
129. वाक्य: दीर्घपुत्र 261. वाक्य: दीर्घपुत्र 262.
130. वाक्य: दीर्घपुत्र 263. वाक्य: दीर्घपुत्र 264.
131. वाक्य: दीर्घपुत्र 265. वाक्य: दीर्घपुत्र 266.
132. वाक्य: दीर्घपुत्र 267. वाक्य: दीर्घपुत्र 268.
133. वाक्य: दीर्घपुत्र 269. वाक्य: दीर्घपुत्र 270.
134. वाक्य: दीर्घपुत्र 271. वाक्य: दीर्घपुत्र 272.
135. वाक्य: दीर्घपुत्र 273. वाक्य: दीर्घपुत्र 274.
136. वाक्य: दीर्घपुत्र 275. वाक्य: दीर्घपुत्र 276.
137. वाक्य: दीर्घपुत्र 277. वाक्य: दीर्घपुत्र 278.
138. वाक्य: दीर्घपुत्र 279. वाक्य: दीर्घपुत्र 280.
139. वाक्य: दीर्घपुत्र 281. वाक्य: दीर्घपुत्र 282.
140. वाक्य: दीर्घपुत्र 283. वाक्य: दीर्घपुत्र 284.
141. वाक्य: दीर्घपुत्र 285. वाक्य: दीर्घपुत्र 286.
142. वाक्य: दीर्घपुत्र 287. वाक्य: दीर्घपुत्र 288.
143. वाक्य: दीर्घपुत्र 289. वाक्य: दीर्घपुत्र 290.
144. वाक्य: दीर्घपुत्र 291. वाक्य: दीर्घपुत्र 292.
145. वाक्य: दीर्घपुत्र 293. वाक्य: दीर्घपुत्र 294.
146. वाक्य: दीर्घपुत्र 295. वाक्य: दीर्घपुत्र 296.
147. वाक्य: दीर्घपुत्र 297. वाक्य: दीर्घपुत्र 298.
148. वाक्य: दीर्घपुत्र 299. वाक्य: दीर्घपुत्र 300.
149. वाक्य: दीर्घपुत्र 301. वाक्य: दीर्घपुत्र 302.
150. वाक्य: दीर्घपुत्र 303. वाक्य: दीर्घपुत्र 304.
151. वाक्य: दीर्घपुत्र 305. वाक्य: दीर्घपुत्र 306.
152. वाक्य: दीर्घपुत्र 307. वाक्य: दीर्घपुत्र 308.
153. वाक्य: दीर्घपुत्र 309. वाक्य: दीर्घपुत्र 310.
154. वाक्य: दीर्घपुत्र 311. वाक्य: दीर्घपुत्र 312.
155. वाक्य: दीर्घपुत्र 313. वाक्य: दीर्घपुत्र 314.
156. वाक्य: दीर्घपुत्र 315. वाक्य: दीर्घपुत्र 316.
157. वाक्य: दीर्घपुत्र 317. वाक्य: दीर्घपुत्र 318.
158. वाक्य: दीर्घपुत्र 319. वाक्य: दीर्घपुत्र 320.
159. वाक्य: दीर्घपुत्र 321. वाक्य: दीर्घपुत्र 322.
160. वाक्य: दीर्घपुत्र 323. वाक्य: दीर्घपुत्र 324.
161. वाक्य: दीर्घपुत्र 325. वाक्य: दीर्घपुत्र 326.
162. वाक्य: दीर्घपुत्र 327. वाक्य: दीर्घपुत्र 328.
163. वाक्य: दीर्घपुत्र 329. वाक्य: दीर्घपुत्र 330.
164. वाक्य: दीर्घपुत्र 331. वाक्य: दीर्घपुत्र 332.
165. वाक्य: दीर्घपुत्र 333. वाक्य: दीर्घपुत्र 334.
166. वाक्य: दीर्घपुत्र 335. वाक्य: दीर्घपुत्र 336.
167. वाक्य: दीर्घपुत्र 337. वाक्य: दीर्घपुत्र 338.
168. वाक्य: दीर्घपुत्र 339. वाक्य: दीर्घपुत्र 340.
169. वाक्य: दीर्घपुत्र 341. वाक्य: दीर्घपुत्र 342.
170. वाक्य: दीर्घपुत्र 343. वाक्य: दीर्घपुत्र 344.
171. वाक्य: दीर्घपुत्र 345. वाक्य: दीर्घपुत्र 346.
172. वाक्य: दीर्घपुत्र 347. वाक्य: दीर्घपुत्र 348.
173. वाक्य: दीर्घपुत्र 349. वाक्य: दीर्घपुत्र 350.
174. वाक्य: दीर्घपुत्र 351. वाक्य: दीर्घपुत्र 352.
175. वाक्य: दीर्घपुत्र 353. वाक्य: दीर्घपुत्र 354.
176. वाक्य: दीर्घपुत्र 355. वाक्य: दीर्घपुत्र 356.
177. वाक्य: दीर्घपुत्र 357. वाक्य: दीर्घपुत्र 358.
178. वाक्य: दीर्घपुत्र 359. वाक्य: दीर्घपुत्र 360.
179. वाक्य: दीर्घपुत्र 361. वाक्य: दीर्घपुत्र 362.
180. वाक्य: दीर्घपुत्र 363. वाक्य: दीर्घपुत्र 364.
181. वाक्य: दीर्घपुत्र 365. वाक्य: दीर्घपुत्र 366.
182. वाक्य: दीर्घपुत्र 367. वाक्य: दीर्घपुत्र 368.
183. वाक्य: दीर्घपुत्र 369. वाक्य: दीर्घपुत्र 370.
184. वाक्य: दीर्घपुत्र 371. वाक्य: दीर्घपुत्र 372.
185. वाक्य: दीर्घपुत्र 373. वाक्य: दीर्घपुत्र 374.
186. वाक्य: दीर्घपुत्र 375. वाक्य: दीर्घपुत्र 376.
187. वाक्य: दीर्घपुत्र 377. वाक्य: दीर्घपुत्र 378.
188. वाक्य: दीर्घपुत्र 379. वाक्य: दीर्घपुत्र 380.
189. वाक्य: दीर्घपुत्र 381. वाक्य: दीर्घपुत्र 382.
190. वाक्य: दीर्घपुत्र 383. वाक्य: दीर्घपुत्र 384.
191. वाक्य: दीर्घपुत्र 385. वाक्य: दीर्घपुत्र 386.
192. वाक्य: दीर्घपुत्र 387. वाक्य: दीर्घपुत्र 388.
193. वाक्य: दीर्घपुत्र 389. वाक्य: दीर्घपुत्र 390.
194. वाक्य: दीर्घपुत्र 391. वाक्य: दीर्घपुत्र 392.
195. वाक्य: दीर्घपुत्र 393. वाक्य: दीर्घपुत्र 394.
196. वाक्य: दीर्घपुत्र 395. वाक्य: दीर्घपुत्र 396.
197. वाक्य: दीर्घपुत्र 397. वाक्य: दीर्घपुत्र 398.
198. वाक्य: दीर्घपुत्र 399. वाक्य: दीर्घपुत्र 400.
199. वाक्य: दीर्घपुत्र 401. वाक्य: दीर्घपुत्र 402.
200. वाक्य: दीर्घपुत्र 403. वाक्य: दीर्घपुत्र 404.
201. वाक्य: दीर्घपुत्र 405. वाक्य: दीर्घपुत्र 406.
202. वाक्य: दीर्घपुत्र 407. वाक्य: दीर्घपुत्र 408.
203. वाक्य: दीर्घपुत्र 409. वाक्य: दीर्घपुत्र 410.
204. वाक्य: दीर्घपुत्र 411. वाक्य: दीर्घपुत्र 412.
205. वाक्य: दीर्घपुत्र 413. वाक्य: दीर्घपुत्र 414.
206. वाक्य: दीर्घपुत्र 415. वाक्य: दीर्घपुत्र 416.
207. वाक्य: दीर्घपुत्र 417. वाक्य: दीर्घपुत्र 418.
208. वाक्य: दीर्घपुत्र 419. वाक्य: दीर्घपुत्र 420.
209. वाक्य: दीर्घपुत्र 421. वाक्य: दीर्घपुत्र 422.
210. वाक्य: दीर्घपुत्र 423. वाक्य: दीर्घपुत्र 424.
211. वाक्य: दीर्घपुत्र 425. वाक्य: दीर्घपुत्र 426.
212. वाक्य: दीर्घपुत्र 427. वाक्य: दीर्घपुत्र 428.
213. वाक्य: दीर्घपुत्र 429. वाक्य: दीर्घपुत्र 430.
214. वाक्य: दीर्घपुत्र 431. वाक्य: दीर्घपुत्र 432.
215. वाक्य: दीर्घपुत्र 433. वाक्य: दीर्घपुत्र 434.
216. वाक्य: दीर्घपुत्र 435. वाक्य: दीर्घपुत्र 436.
217. वाक्य: दीर्घपुत्र 437. वाक्य: दीर्घपुत्र 438.
218. वाक्य: दीर्घपुत्र 439. वाक्य: दीर्घपुत्र 440.
219. वाक्य: दीर्घपुत्र 441. वाक्य: दीर्घपुत्र 442.
220. वाक्य: दीर्घपुत्र 443. वाक्य: दीर्घपुत्र 444.
221. वाक्य: दीर्घपुत्र 445. वाक्य: दीर्घपुत्र 446.
222. वाक्य: दीर्घपुत्र 447. वाक्य: दीर्घपुत्र 448.
223. वाक्य: दीर्घपुत्र 449. वाक्य: दीर्घपुत्र 450.
224. वाक्य: दीर्घपुत्र 451. वाक्य: दीर्घपुत्र 452.
225. वाक्य: दीर्घपुत्र 453. वाक्य: दीर्घपुत्र 454.
226. वाक्य: दीर्घपुत्र 455. वाक्य: दीर्घपुत्र 456.
227. वाक्य: दीर्घपुत्र 457. वाक्य: दीर्घपुत्र 458.
228. वाक्य: दीर्घपुत्र 459. वाक्य: दीर्घपुत्र 460.
229. वाक्य: दीर्घपुत्र 461. वाक्य: दीर्घपुत्र 462.
230. वाक्य: दीर्घपुत्र 463. वाक्य: दीर्घपुत्र 464.
231. वाक्य: दीर्घपुत्र 465. वाक्य: दीर्घपुत्र 466.
232. वाक्य: दीर्घपुत्र 467. वाक्य: दीर्घपुत्र 468.
233. वाक्य: दीर्घपुत्र 469. वाक्य: दीर्घपुत्र 470.
234. वाक्य: दीर्घपुत्र 471. वाक्य: दीर्घपुत्र 472.
235. वाक्य: दीर्घपुत्र 473. वाक्य: दीर्घपुत्र 474.
236. वाक्य: दीर्घपुत्र 475. वाक्य: दीर्घपुत्र 476.
237. वाक्य: दीर्घपुत्र 477. वाक्य: दीर्घपुत्र 478.
238. वाक्य: दीर्घपुत्र 479. वाक्य: दीर्घपुत्र 480.
239. वाक्य: दीर्घपुत्र 481. वाक्य: दीर्घपुत्र 482.
240. वाक्य: दीर्घपुत्र 483. वाक्य: दीर्घपुत्र 484.
241. वाक्य: दीर्घपुत्र 485. वाक्य: दीर्घपुत्र 486.
242. वाक्य: दीर्घपुत्र 487. वाक्य: दीर्घपुत्र 488.
243. वाक्य: दीर्घपुत्र 489. वाक्य: दीर्घपुत्र 490.
244. वाक्य: दीर्घपुत्र 491. वाक्य: दीर्घपुत्र 492.
245. वाक्य: दीर्घपुत्र 493. वाक्य: दीर्घपुत्र 494.
246. वाक्य: दीर्घपुत्र 495. वाक्य: दीर्घपुत्र 496.
247. वाक्य: दीर्घपुत्र 497. वाक्य: दीर्घपुत्र 498.
248. वाक्य: दीर्घपुत्र 499. वाक्य: दीर्घपुत्र 500.
249. वाक्य: दीर्घपुत्र 501. वाक्य: दीर्घपुत्र 502.
250. वाक्य: दीर्घपुत्र 503. वाक्य: दीर्घपुत्र 504.
251. वाक्य: दीर्घपुत्र 505. वाक्य: दीर्घपुत्र 506.
252. वाक्य: दीर्घपुत्र 507. वाक्य: दीर्घपुत्र 508.
253. वाक्य: दीर्घपुत्र 509. वाक्य: दीर्घपुत्र 510.
254. वाक्य: दीर्घपुत्र 511. वाक्य: दीर्घपुत्र 512.
255. वाक्य: दीर्घपुत्र 513. वाक्य: दीर्घपुत्र 514.
256. वाक्य: दीर्घपुत्र 515. वाक्य: दीर्घपुत्र 516.
257. वाक्य: दीर्घपुत्र 517. वाक्य: दीर्घपुत्र 518.
258. वाक्य: दीर्घपुत्र 519. वाक्य: दीर्घपुत्र 520.
259. वाक्य: दीर्घपुत्र 521. वाक्य: दीर्घपुत्र 522.
260. वाक्य: दीर्घपुत्र 523. वाक्य: दीर्घपुत्र 524.
261. वाक्य: दीर्घपुत्र 525. वाक्य: दीर्घपुत्र 526.
262. वाक्य: दीर्घपुत्र 527. वाक्य: दीर्घपुत्र 528.
263. वाक्य: दीर्घपुत्र 529. वाक्य: दीर्घपुत्र 530.
264. वाक्य: दीर्घपुत्र 531. वाक्य: दीर्घपुत्र 532.
265. वाक्य: दीर्घपुत्र 533. वाक्य: दीर्घपुत्र 534.
266. वाक्य: दीर्घपुत्र 535. वाक्य: दीर्घपुत्र 536.
267. वाक्य: दीर्घपुत्र 537. वाक्य: दीर्घपुत्र 538.
268. वाक्य: दीर्घपुत्र 539. वाक्य: दीर्घपुत्र 540.
269. वाक्य: दीर्घपुत्र 541. वाक्य: दीर्घपुत्र 542.
270. वाक्य: दीर्घपुत्र 543. वाक्य: दीर्घपुत्र 544.
271. वाक्य: दीर्घपुत्र 545. वाक्य: दीर्घपुत्र 546.
272. वाक्य: दीर्घपुत्र 547. वाक्य: दीर्घपुत्र 548.
273. वाक्य: दीर्घपुत्र 549. वाक्य: दीर्घपुत्र 550.
274. वाक्य: दीर्घपुत्र 551. वाक्य: दीर्घपुत्र 552.
275. वाक्य: दीर्घपुत्र 553. वाक्य: दीर्घपुत्र 554.
276. वाक्य: दीर्घपुत्र 555. वाक्य: दीर्घपुत्र 556.
277. वाक्य: दीर्घपुत्र 557. वाक्य: दीर्घपुत्र 558.
278. वाक्य: दीर्घपुत्र 559. वाक्य: दीर्घपुत्र 560.
279. वाक्य: दीर्घपुत्र 561. वाक्य: दीर्घपुत्र 562.
280. वाक्य: दीर्घपुत्र 563. वाक्य: दीर्घपुत्र 564.
281. वाक्य: दीर्घपुत्र 565. वाक्य: दीर्घपुत्र 566.
282. वाक्य: दीर्घपुत्र 567. वाक्य: दीर्घपुत्र 568.
283. वाक्य: दीर्घपुत्र 569. वाक्य: दीर्घपुत्र 570.
284. वाक्य: दीर्घपुत्र 571. वाक्य: दीर्घपुत्र 572.
285. वाक्य: दीर्घपुत्र 573. वाक्य: दीर्घपुत्र 574.
286. वाक्य: दीर्घपुत्र 575. वाक्य: दीर्घपुत्र 576.
287. वाक्य: दीर्घपुत्र 577. वाक्य: दीर्घपुत्र 578.
288. वाक्य: दीर्घपुत्र 579. वाक्य: दीर्घपुत्र 580.
289. वाक्य: दीर्घपुत्र 581. वाक्य: दीर्घपुत्र 582.
290. वाक्य: दीर्घपुत्र 583. वाक्य: दीर्घपुत्र 584.
291. वाक्य: दीर्घपुत्र 585. वाक्य: दीर्घपुत्र 586.
292. वाक्य: दीर्घपुत्र 587. वाक्य: दीर्घपुत्र 588.
293. वाक्य: दीर्घपुत्र 589. वाक्य: दीर्घपुत्र 590.
294. वाक्य: दीर्घपुत्र 591. वाक्य: दीर्घपुत्र 592.
295. वाक्य: दीर्घपुत्र 593. वाक्य: दीर्घपुत्र 594.
296. वाक्य: दीर्घपुत्र 595. वाक्य: दीर्घपुत्र 596.
297. वाक्य: दीर्घपुत्र 597. वाक्य: दीर्घपुत्र 598.
298. वाक्य: दीर्घपुत्र 599. वाक्य: दीर्घपुत्र 600.
299. वाक्य: दीर्घपुत्र 601. वाक्य: दीर्घपुत्र 602.
300. वाक्य: दीर्घपुत्र 603. वाक्य: दीर्घपुत्र 604.
301. वाक्य: दीर्घपुत्र 605. वाक्य: दीर्घपुत्र 606.
302. वाक्य: दीर्घपुत्र 607. वाक्य: दीर्घपुत्र 608.
303. वाक्य: दीर्घपुत्र 609. वाक्य: दीर्घपुत्र 610.
304. वाक्य: दीर्घपुत्र 611. वाक्य: दीर्घपुत्र 612.
305. वाक्य: दीर्घपुत्र 613. वाक्य: दीर्घपुत्र 614.
306. वाक्य: दीर्घपुत्र 615. वाक्य: दीर्घपुत्र 616.
307. वाक्य: दीर्घपुत्र 617. वाक्य: दीर्घपुत्र 618.
308. वाक्य: दीर्घपुत्र 619. वाक्य: दीर्घपुत्र 620.
309. वाक्य: दीर्घपुत्र 621. वाक्य: दीर्घपुत्र 622.
310. वाक्य: दीर्घपुत्र 623. वाक्य: दीर्घपुत्र 624.
311. वाक्य: दीर्घपुत्र 625. वाक्य: दीर्घपुत्र 626.
312. वाक्य: दीर्घपुत्र 627. वाक्य: दीर्घपुत्र 628.
313. वाक्य: दीर्घपुत्र 629. वाक्य: दीर्घपुत्र 630.
314. वाक्य: दीर्घपुत्र 631. वाक्य: दीर्घपुत्र 632.
315. वाक्य: दीर्घपुत्र 633. वाक्य: दीर्घपुत्र 634.
316. वाक्य: दीर्घपुत्र 635. वाक्य: दीर्घपुत्र 636.
317. वाक्य: दीर्घपुत्र 637. वाक्य: दीर्घपुत्र 638.
318. वाक्य: दीर्घपुत्र 639. वाक्य: दीर्घपुत्र 640.
319. वाक्य: दीर्घपुत्र 641. वाक्य: दीर्घपुत्र 64

एकता पदयात्रा के अवसर पर सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न

देवलखेड़ा से करनावास तक निकली एकता पद यात्रा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पंवार, सांसद नागर, विधायक यादव ने की सहभागिता

राजगढ़/नवप्रदेश। एकता पदयात्रा के अवसर पर 4 करोड़ 71 लाख रुपए से निर्मित होने वाली ग्राम पुनरुद्धार से नापलियाखेड़ी तक सड़क निर्माण कार्य तथा ग्राम देवलखेड़ा से कौड़िया जोड़ तक 2 करोड़ 61 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मधुआ कलडुयाण एवं मल्हड़िया विकास विभाग श्री नारायण सिंह पंवार, सांसद श्री रोडमल नागर, विधायक राजगढ़ श्री अमर सिंह यादव ,पूर्व विधायक श्री रघुनंदन शर्मा, विधायक राजगढ़ श्री अमर सिंह



विश्वास है, क्योंकि वे देश की सुरक्षा और एकता के प्रतीक हैं।

चाहिए, ताकि ऐसी प्रवृत्तियों को रोका जा सके। साथ ही भारत की सेना सशक्त है। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया गया। दिल्ली धमके में निर्दोश लोगों की जाने गईं, परंतु हमारी सेना की सतर्कता से विस्फोटक सामग्री बरामद कर बड़े नुकसान को टाल दिया गया। हम सभी सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन करते हैं, आज हम एक हैं तो उन्हीं के कारण। उन्होंने हमें एकता का संदेश दिया, परंतु आज भी हम छोटी-छोटी बातों में बंट जाते हैं। हमें इस विशाल देश को दिशा देने के लिए मजबूत नेतृत्व की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें

निरंतर जिम्मेदारी है। अंत में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पंवार ने घोषणा की कि पुनरुद्धार ग्राम के विकास हेतु 8 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की जाएगी तथा सामुदायिक भवन निर्माण का प्रयास भी किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। एकता पदयात्रा के अवसर पर सांसद श्री रोडमल नागर ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने सांप्रदायिकता , भाषावाद और जातिवाद को तोड़कर पूरे देश में राष्ट्रवाद की भावना जगाई। उन्होंने विभिन्न रियासतों को एक सूत्र में

न्यूज गैलरी

रवांडा अफ्रीका से आए प्रतिनिधियों ने शासकीय कैलाशनाथ काटजू चिकित्सालय का किया भ्रमण

भोपाल/नवप्रदेश। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और अंतरराष्ट्रीय अनुभव साझा करने के उद्देश्य से रवांडा अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल एवं यू. एन. एफ. पी. ए के सदस्यों ने गुरुवार को शासकीय कैलाशनाथ काटजू चिकित्सालय, भोपाल का भ्रमण किया। प्रतिनिधिमंडल में डॉ.फ्रेडोइस रेगिस साझा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुविधा कार्यक्रम इकाई, रवांडा बायोमेट्रिक्स सेंटर के निदेशक एम्पेरेस एमंडेगा, साझेदारी और अनुदान लेखन विश्लेषक स्वास्थ्य मंत्रालय, रवांडा, मैरी क्लेयर इरियान्यावेरा, एसआरएचआर प्रमुख, यूएनएफपीए रवांडा एवं उनकी पूरी टीम तथा यूएनएफपीए मध्य प्रदेश से श्री सुनील थॉमस, राज्य प्रमुख, श्री अनुराग सोनवालकर, राज्य कार्यक्रम अधिकारी शामिल रहे। शासकीय कैलाशनाथ काटजू चिकित्सालय की नोडल अधिकारी डॉ.रचना दुबे ने टीम को अस्पताल की विभिन्न इकाइयों का विस्तृत अवलोकन कराया, जिसमें प्रिवेंटिव गायनेकोलॉजी सेंटर ,शक्ति+, एएनसी/पीएनसी वाई, मानव मिल्क बैंक, लेबर रूम, तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी अन्य आधुनिक सुविधाएँ शामिल थीं। उन्होंने अस्पताल में लागू मानकों, प्रोटोकॉल्स और सेवा प्रक्रियाओं की जानकारी भी साझा की। भ्रमण के दौरान चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. बलराम उपाध्याय भी मौजूद रहे। रवांडा की टीम ने अस्पताल में उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं,स्वच्छता व्यवस्था, समर्पित स्टॉप एवं रोगी-केंद्रित सेवाओं की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से मानव मिल्क बैंक की पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य में सुधार हेतु एक अभिनव और प्रेरणादायी कदम है। उन्होंने इसे रवांडा में लागू करने के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में देखा। इस अवसर पर डॉ. दुबे ने बताया कि शासकीय कैलाशनाथ कटजू चिकित्सालय में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। शक्ति डू प्रिवेंटिव गायनेकोलॉजी सेंटर+ जैसी पहलें न केवल रोगों का निवारण बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य सशक्तिकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

रवांडा प्रतिनिधिमंडल ने अस्पताल प्रशासन एवं स्टॉप के समर्पण, नवाचार और संगठनात्मक क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि भारत के अनुभव और मॉडल से रवांडा को भी सीखने और अपने स्वास्थ्य तंत्र को सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी।

पंचायत स्तरीय संवाद कार्यक्रम ग्राम देहरा और समेली में आयोजित किया गया

राजगढ़ /नवप्रदेश।

कार्यपालन यंत्री मोहनपुरा और कुण्डालिया डेम प्रभारी श्री अशोक दीक्षित द्वारा बालिकाओं को शिक्षा का महत्व समझाया। साथ ही राजगढ़ में उच्च पद पर विराजमान महिला अधिकारियों का उदाहरण दे कर बच्चियों को पढ़ लिख कर भविष्य बनाने की प्रेरणा दी। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक एवं बाल विवाह मुक्त राजगढ़ अभियान की नोडल अधिकारी श्रीमति रश्मि चौहान द्वारा बताया गया कि बाल विवाह के हानिकारक प्रभावों के बारे में ग्रामीण जनता, माता-पिता और समुदायों के बीच जागरूकता हेतु कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशन में बाल विवाह मुक्त राजगढ़ अभियान का आयोजन किया जा रहा है जिसमें खिलचीपुर ब्लॉक के गांव में बाल विवाह की घटनाओं को प्रभावी ढंग से रोक सके उनकी रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने हेतु बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित और सम्मानजनक बचपन, शिक्षा और सुरक्षा का अधिकार है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 को प्रभावी ढंग से लागू हो सके। जिसके अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की कानूनी उम्र 18 और लड़कों के लिए 21 वर्ष है। इस सामाजिक बुराई को समाप्त करने के लिए सरकार, गैर-सरकारी संगठनों, शासकीय अमले और पूरे समाज के बीच समन्वय स्थापित करना हमारा उद्देश्य है, कम उम्र में माँ और बच्चे दोनों के लिए गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा कर सकती है, जैसे मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर, कुपोषण की समस्या को कम करना, शादी के कारण अक्सर लड़कियों को स्कूल छोड़ना पड़ता है, जिससे उनकी शिक्षा और आर्थिक अवसर को अक्सर कम करती है, कम उम्र में विवाह होने पर घरेलू हिंसा और दुर्व्यवहार के प्रति अधिक संवेदनशील होती है, और पारिवारिक जिम्मेदारी उठाने मे भी अक्षम होती है यूनिसेफ से श्री

मप्र में जनजाति वर्गों को मिल रही गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सुविधाएं

जेईई और नीट में हुआ चयन, मप्र देश में दूसरे स्थान पर

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय स्कूल के जनजातीय विद्यार्थियों ने जेईई और नीट जैसी कठिन परीक्षाएं उत्तीर्ण कर मध्यप्रदेश को देश की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर ला दिया है।वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश से जेईई मेंस में 51 विद्यार्थियों, जेईई एडवांसड में 10 और नीट में 115 विद्यार्थियों ने परीक्षा पास की। इससे देश में मध्यप्रदेश का स्थान दूसरे नंबर पर आ गया है। वर्ष 2022-23 तक इन परीक्षाओं में विद्यार्थियों के पास होने का आंकड़ा मात्र 2 था। स्पष्ट है कि शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार और गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई से अब इन शालाओं से ज्यादा से ज्यादा बच्चे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में पास हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय आदिवासी कार्य मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश में 63 एकलव्य आदर्श आवासीय स्कूल संचालित है। देश में ऐसे 485 स्कूल हैं। छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा 75 और तीसरे नंबर पर झारखंड में 51 स्कूल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनजातीय बहुल क्षेत्रों में शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार के निर्देश दिए हैं। मध्यप्रदेश में शैक्षणिक सुविधाएं लगातार बढ़ रही हैं।

जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा शैक्षणिक सुविधाएं मिल रही है। प्रदेश में 34,557 शैक्षणिक संस्थाएं हैं। इनमें प्राथमिक शालाओं की संख्या 12913, माध्यमिक शाला 6788, हाई स्कूल 788, 1109, उच्चतर माध्यमिक शाला 804, सांदिपनी विद्यालय 94, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय 63, माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिषद 82, आदर्श आवासीय विद्यालय 8, छात्रावास 1593, आश्रम 1078 और क्रीड़ा परिषद 25 शामिल है। अनुसूचित जनजाति वर्ग के कल्याण के लिए 2025-26 में 47296 करोड़ का बजट प्रावधान रखा गया है जो पिछले बजट की तुलना में 15.91 प्रतिशत ज्यादा है। शैक्षणिक और प्रशासनिक संवर्ग सहित 4600 पदों की पूर्ति की जा रही है। जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को अध्ययन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य 139422 विद्यार्थियों को छात्रावास और आश्रम शालाओं में प्रवेश देकर 94 प्रतिशत सीट क्षमता का उपयोग किया गया है। जनजाति वर्ग में सिकल सेल एनीमिया की समस्या पर नियंत्रण के लिए विभाग की संस्थाओं और छात्रावास में पढ़ रहे विद्यार्थियों के सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग निरंतर की जा रही है। अभी तक कुल 1,11,744 विद्यार्थियों की जांच की जा चुकी है।

विद्यार्थियों को निरंतर शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत संचालित महाविद्यालय छात्रावास में मेस संचालन के लिए 10 माह के स्थान पर 12 माह की शिष्यवृत्ति स्वीकृत की गई है। इन समुदायों के युवाओं को रोजगारमूलक प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग देने के उद्देश्य में 10 परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र की स्वीकृति भारत सरकार से मिल गई है। भारत दर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत 125 छात्र एवं 126 छात्राओं को लाभान्वित किया गया है। इस साल 300 विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है। विभाग द्वारा अनुबंधित नॉलेज पार्टनर संस्थाओं से जनजातीय कार्य विभाग की शैक्षणिक संस्थाओं सांदिपनि आवासीय विद्यालयों में जीवन कौशल प्रशिक्षण एवं फंडामेंटल लिटरेसी-न्यूमैरीसी के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। राष्ट्रीय आदिवासी छत्र शिक्षा समिति के माध्यम से एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में 1806 शैक्षणिक स्टॉप और 40 प्राचार्य की नियुक्ति की गई है। आकांक्षा योजना के अंतर्गत 841 मेधावी विद्यार्थियों को जेईई और नीट कोचिंग दी जा रही है। सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले जनजाति वर्ग के 1000 विद्यार्थियों को सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 2 करोड़ के प्रावधान राशि वितरित की गई है।

मोहन भागवत के बयान पर दिग्विजय सिंह का पलटवार,कहा-हिंदू धर्म की तुलना संघ से करना सनातन धर्म का अपमान

भोपाल/नवप्रदेश।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयान पर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि संघ जैसे अपंजीकृत संगठन की तुलना हिंदू धर्म से करना सनातन परंपरा का अपमान है। दिग्विजय ने भागवत से देश और संत समाज से माफी मांगने की मांग करते हुए कहा कि संघ को धर्म का प्रतिनिधि बताना अहंकार और अज्ञान का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि संघ प्रमुख ने आरएसएस जैसे अपंजीकृत संगठन की तुलना हिंदू धर्म से करके करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की आस्था का अपमान किया है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि कुछ दिन पहले बेंगलुरु में आरएसएस के शताब्दी समारोह के दौरान मोहन भागवत ने कहा था कि अगर आरएसएस अपंजीकृत है, तो हिंदू धर्म और इस्लाम भी अपंजीकृत है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि भागवत जी, आपने सनातन धर्म को एक संगठन से जोड़कर उसका अपमान किया है। हिंदू धर्म कोई संस्था नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से चली आ रही परंपरा है। आपकी यह तुलना अज्ञान और अहंकार दोनों को दर्शाती है।

संघ प्रमुख से मांगी देशवासियों से माफी
दिग्विजय सिंह ने कहा कि वे स्वयं एक सनातन धर्म के अनुयायी और हिंदू साधक हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें 1983 में जगदुरु शंकराचार्य स्वरूपाचंद सरस्वती जी से दीक्षा प्राप्त हुई थी। सिंह ने कहा कि मैं एक हिंदू के रूप में आपको बात की कड़ी निंदा करता हूं। आपको देश, संत-महात्माओं और चारों पीढ़ी के शंकराचार्यों से माफी मांगनी चाहिए।
संघ के नेता मुसलमानों के खिलाफ जहर उगलते हैं
उन्होंने आरोप लगाया कि संघ के कई प्रचारक और नेता मुसलमानों के खिलाफ निरंतर फैलाने वाले बयान देते हैं। दिग्विजय ने कहा कि 'मुसलमानों, ईसाइयों, सिखों या जैनियों के खिलाफ जहर उगलना राष्ट्र की एकता पर हमला है। उन्होंने कहा कि 'संघ और बीजेपी देश में सांप्रदायिक सौहार्द बिाड़ने का काम कर रहे हैं। पूर्व सीएम ने मोहन भागवत से सवाल किया कि जब संघ पंजीकृत संगठन नहीं है, तो उसे आयकर से छूट किस आधार पर मिली? गुरु दक्षिणा किस खाते में

जाती है? किस कोर्ट या जज ने संघ को मान्यता दी?+ उन्होंने कहा कि यह पारदर्शिता का मामला है। जब कोई अकाउंट नहीं है, तो करोड़ों रुपये का हिसाब कौन देता है? दिग्विजय सिंह ने कहा कि संघ न तो आजादी की लड़ाई में शामिल हुआ, न ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ा। उन्होंने कहा कि संघ के संस्थापक हड़ोवार जी ने जेल तो काटी, लेकिन बाद में संघ ने अपने कार्यकर्ताओं को ब्रिटिश सेना में भर्ती होने की सलाह दी। क्या यही राष्ट्रभक्ति है?
1925 में बने अन्य संगठन पंजीकृत हुए, RSS नहीं
उन्होंने कहा कि 1860 में बने सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत ब्रह्म समाज, आर्य समाज, रामकृष्ण मिशन जैसे संस्थान पंजीकृत हुए थे, लेकिन ऋष ने तब भी पंजीकरण नहीं कराया। आजादी के बाद भी उसने कानूनों को दरकिनार किया। दिग्विजय सिंह ने कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री को 2021 में पत्र लिखकर यह मांग की थी कि जब संघ का कोई आधिकारिक खाता नहीं है, तो वह कोविड के दौरान खर्च किए गए 7 करोड़ रुपये का हिसाब कैसे दे सकता है? उन्होंने कहा कि 'इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच होनी चाहिए।
गांधी की हत्या करने वाला गोडसे संघ से जुड़ा था
दिग्विजय ने कहा कि संघ नाथूराम गोडसे को अपना सदस्य नहीं मानता, जबकि उसके भाई ने स्वयं यह बात स्वीकार की थी कि गोडसे ऋष कार्यक्रमता था। उन्होंने कहा कि 'संघ के पास जब कोई सदस्यता फॉर्म ही नहीं है, तो कैसे साबित होगा कि कौन सदस्य है और कौन नहीं? उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भी कहा था कि सनातन धर्म सभी मतों का सम्मान करता है। संघ प्रमुख को यह याद रखना चाहिए कि भारत की ताकत विविधता में है, न कि विभाजन में।
कर्नाटक के बेंगलुरु में आयोजित 100 इयर्स ऑफ संघ जनीं न्यू होराइजन्स कार्यक्रम में मोहन भागवत ने कहा था कि संघ की शाखा में मुस्लिम, ईसाई और हिंदू सभी आते हैं। हम सब भारत माता के पुत्र हैं यही संघ की कार्यशैली है।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में यूनिटी मार्च आयोजित

यूनिटी मार्च एक भारत, अखंड भारत के अडिग विश्वास को आगे बढ़ाएगी

जगह-जगह यूनिटी मार्च पदयात्रा का भव्य स्वागत

सीहोर/नवप्रदेश। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर सीहोर में 'यूनिटी मार्च + पदयात्रा आयोजित की गई। यह यात्रा आवासीय खेल परिसर से प्रारंभ हुई तथा नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए लुसा टॉकीज चौराहे पर यात्रा का समापन हुआ।

शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद श्री आलोक शर्मा ने कहा कि इस

यात्रा का मुख्य उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय गौरव जगाना और एकता की भावना को मजबूत करना है। यह पदयात्रा सरदार पटेल के एक भारत, अखंड भारत के अडिग विश्वास को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने सरदार पटेल का स्मरण करते हुए कहा कि आजादी के बाद देशी रियासतों का भारत में विलय कर पूरे देश को उन्होंने एक सूत्र में पिरोया है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के योगदान को आने वाली पीढ़ी को बताना हमारा दायित्व है। सांसद श्री शर्मा ने भोपाल विलीनीकरण आंदोलन का उल्लेख करते हुए सरदार पटेल के योगदान के बारे में बताया। इस अवसर पर विधायक श्री सुदेश राय, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा तथा

नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर ने पदयात्रा के उद्देश्य और सरदार पटेल के योगदान के बारे

में बताया। पदयात्रा के शुभारंभ अवसर पर सांसद श्री आलोक शर्मा ने राष्ट्रीय एकता तथा आत्मनिर्भर भारत का संकल्प दिलाया । यात्रा के समापन पर सभी ने नशामुक्त भारत बनाने की शपथ ली। पद यात्रा में पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्री सीताराम यादव, कलेक्टर श्री बालागुरु के., एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला, श्री गौरव सन्नी महाजन, श्री राजुमार गुप्ता, श्री पंकज गुप्ता, श्री सुदीप प्रजापति, एससीसी, स्काउट-गाइड, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

पद यात्रा यूनिटी मार्च आवासीय खेल परिसर भोपाल नाका से शुरू होकर इंग्लिश पुरा, कोतवाली चौराहा, मैने रोड बाजार क्षेत्र निकली तथा लीसा टाकीज चौराहे पर समापन हुआ। यात्रा मार्ग में जगह जगह बनाये गये मंचों से विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, व्यापारिक संस्थाओं द्वारा पुष्प वर्षा कर पदयात्रा का भव्य स्वागत किया गया। आवासीय खेल परिसर में कन्या शिक्षा परिसर, शासकीय कस्तूरबा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तथा सांदिपनी विद्यालय की छात्राओं द्वारा पारंपरिक जनजातीय संस्कृति की अनुपम छटा बिखेरते समूह नृत्य की प्रस्तुति दी।

पद यात्रा का भव्य स्वागत

■ न्यूज गैलरी

शास. प्राथ. शालाओं में एफ एलएन मेले का आयोजन आज

कांकेर/ नवप्रदेश। स्कूल शिक्षा के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफएलएन) मेला का आयोजन 14 नवम्बर दिन शुक्रवार को जिले के समस्त प्राथमिक शालाओं में किया जाएगा। समग्र शिक्षा कार्यालय द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार सभी शालाओं में स्टॉल का निर्माण, मेले में स्टॉल लगाने, निगरानी और देखरेख का कार्य शाला के शिक्षकों द्वारा किया जाएगा। एफएलएन मेला में गणित, भाषा, अंग्रेजी एवं बालवाड़ी से संबंधित सभी अवधारणाओं के लगाए गये स्टॉल का संचालन शाला के विद्यार्थियों के द्वारा किया जाएगा। स्टॉल में बच्चों द्वारा स्टॉल का संचालन, गतिविधि कर निर्देशों को पढ़कर दूसरे बच्चों को सुनायेगे तथा पढ़ने में मदद करेंगे। इस पहल से प्राथमिक स्तर के बच्चों में भाषायी एवं संख्याज्ञान का विकास हो सकेगा। गौरतलब है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थियों को आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षता प्रदान किया जाना है।

जिले के 149 उपार्जन केन्द्रों में कल से समर्थन मूल्य पर की जाएगी धान की खरीदी

कांकेर/ नवप्रदेश। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवम्बर से 31 जनवरी 2026 तक किया जाना है। धान खरीदी हेतु जिले 91726 किसानों का एग्रीस्टेक पंजीयन किया गया है। पंजीकृत किसानों से 118 समिति (लेम्पस) अंतर्गत 149 उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी का कार्य किये जाने हेतु उपार्जन केन्द्र स्तर पर नोडल अधिकारी निगरानी समिति का गठन किया गया है। इसके अलावा जिले के उपार्जन केन्द्रों में अन्य राज्यों से कोचियों/बिचालियों द्वारा धान लाकर बेचने को रोकने हेतु जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में 13 चेक पोस्ट एवं जिला स्तर पर 05 चेक पोस्ट कुल 18 चेक पोस्ट बनाई गई है।जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि जिला एवं तहसील स्तर पर उड़नदस्ता दलों का भी गठन किया गया है, जिन्हें आई.डी. पासवर्ड जारी किया गया है। उनके द्वारा उपार्जन केन्द्रों एवं चेक पोस्ट का नियमित रूप से निरीक्षण व पयंवेक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर किसानों की सुविधा हेतु जिला कमांड एण्ड कंट्रोल सेन्टर (मोबाइल नम्बर 9755035321) की स्थापना की गई है। 'तुंहर टोकन' मोबाइल एप के माध्यम से भी ऑनलाईन टोकन जारी किये जाने के संबंध में प्रसार-प्रचार किया जा रहा है।

सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 17 नवम्बर को

कांकेर/ नवप्रदेश। जिला पंचायत कांकेर के सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 17 नवम्बर को दोपहर 12 बजे से जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती किरण नेरटी की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। जिला पंचायत के सीईओ श्री हर्श मंडवी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित होने कहा है।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा के लिए तैयारी बैठक 18 नवम्बर को

कांकेर/ नवप्रदेश। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत 27 नवम्बर से 02 दिसम्बर की अवधि में कांकेर जिले के 410 तीर्थयात्रियों को तीर्थ यात्रा में भेजा जाना प्रस्तावित है। उक्त यात्रा की तैयारियों के लिए कलेक्टर श्री नरेशकुमार महादेव क्षीरसागर की अध्यक्षता में 18 नवम्बर को बैठक रखा गया है। मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री दर्शन योजना के अंतर्गत तीर्थयात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों को कामाख्या देवी मंदिर, नवगुह मंदिर, वशिष्ठ मुनि आश्रम, उमानंद मंदिर, शिवाजी का मंदिर, शंकर देव कला क्षेत्र-गुहावाटी का दर्शन कराया जाना प्रस्तावित है।

एक दिवसीय प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 20 नवम्बर ऑनलाइन आवेदन की भी सुविधा

कांकेर/ नवप्रदेश। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कोड़ेजुगा कांकेर में एक दिवसीय प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 20 नवम्बर को सुबह 11 से अपराह्न 03 बजे तक किया जाएगा, जिसमें निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा 539 रिक्रियों के आधार पर भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी श्री बी.आर. ठाकुर ने बताया कि उक्त प्लेसमेंट कैम्प में सिक्युरिटी गार्ड के 500 पद, ट्रेनी केन्द्र मैनेजर के 30 पद और टीचर/शिक्षक के 09 पदों पर भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि इच्छुक आवेदक उक्त प्लेसमेंट कैम्प में उपस्थित होकर अपना सम्पूर्ण बायोडाटा के साथ आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। आवेदक ई-रोजगार के पोर्टल <httpsN//erojgar.cg.gov.in> पर भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर नियुक्ता द्वारा प्राथमिक चयन कर साक्षात्कार लिया जाएगा, जिसकी सूचना पृथक से फेन के माध्यम से आवेदक को दी जाएगी।

मंडी टीम ने व्यापारी से 153 बोरी 61.20 क्विंटल अवैध धान किया जप्त



सारंगढ़-बिलाईगढ़ / नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देशन में जांच दल द्वारा सारंगढ़ मंडी क्षेत्र में व्यापारी दिलीप कुमार साहू भौरादार के दुकान में भंडारित मात्रा 153 बोरी 61.20 क्विंटल अवैध धान होने के कारण मंडी अधिनियम के तहत जप्त प्रकरण बनाया गया। इस जाँच टीम में मंडी सचिव राजेन्द्र कुमार ध्रुव, उप निरीक्षक प्रीति तिव्ी,अंजू दिनकर, ध्वेन्द्र कुमार साहू एवं जगदीश बरेट शामिल थे।

एसआईआर नागरिकता कानून को पीछे से लागू करने का प्रयास

कांकेर/ नवप्रदेश। प्रदेश में चल रहे एस आई आर पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस पार्टी के नेता नितिन पोटाई ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर केंद्र सरकार चुनाव आयोग को सामने रखकर पीछे के दरवाजे से नागरिकता कानून को ही लागू कर रही है।

आज जारी एक प्रेस बयान में कांग्रेस के नेता नितिन पोटाई ने कहा कि देश में इसके पहले भी एस आई आर हुआ है लेकिन उसमें कोई दस्तावेज की जरूरत नहीं होता था। एस आई आर के लिए

नाम काटवाने और जोड़ने के लिए दो वर्षों का समय दिया जाता रहा है लेकिन इस बार मात्र 3 माह का समय दिया जाना और 11 दस्तावेजों में से एक दस्तावेज जमा करने का आदेश इस बात को ही रेखांकित करता है कि उनके मंशा में खोट है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि जो दस्तावेज मांगा जा रहा है प्रदेश के अधिकांश गरीब आदिवासी,दलित,महिलाओं के पास यह दस्तावेज नहीं होने के कारण उनका नाम मतदाता सूची से बाहर हो जाएगा भले ही उनका नाम



2003 के सूची में रहे हो और वे चुनाव में वोट दिए हो।पोटाई ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि यह सरकार देश के नागरिकों का नागरिकता छिनेने पर

जुटी हुई है।बिहार एस आई आर का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वहां पर अधिकांश महिलाओं के नाम ही हटाया गया है क्यों कि गरीब,आदिवासी,दलित महिलाओं के पास वे सब दस्तावेज नहीं होते जो चुनाव आयोग ने मान्य किया है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए जाने का प्रभाव -नए मतदाताओं पर पड़ेगा जिनका जन्म 2 दिसंबर 2003 के बाद हुआ है।क्योंकि 2 दिसंबर 2003 के बाद जो जन्म लिया है उन्हें अपने स्वयं के

दस्तावेज के साथ अपने माता और पिता दोनों के दस्तावेज यानि कुल तीन दस्तावेज उन्हें जमा करना होगा।उन्होंने यह भी आशंका जताया है कि प्रदेश से रोजगार की तलाश में भारी संख्या में गरीब आदिवासी,दलित तबकों के लोग भिन्न राज्यों में परलायन करते है। उनके गैरहाजिरी के कारण उनका नाम भी मतदाता सूची से हटाया जाने से वे सिर्फ वोट के अधिकार से ही नहीं बल्कि सभी नागरिक अधिकारों से वंचित हो जायेंगे।उनका मानना है कि भाजपा एक स्वर्ण की राजनीतिक पार्टी है

जिसके नजर-में गरीब,आदिवासी,दलित,महिला का कोई अधिकार नहीं होगा वे सिर्फ दूसरे दर्जा के नागरिक बनकर इस देश में रह सकते है। जो मनुस्मृति में कहा गया है कि दलितों को संपत्ति रखने का कोई अधिकार नहीं होगा ,भाजपा सरकार संविधान के जगह पर उसी मनुस्मृति को ही लागू करना चाहती है।उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी पूरे प्रक्रिया पर नजर रूई है और किसी भी वैध मतदाता के नाम काटे जाने का विरोध करेगी।

युक्तियुक्तकरण से पथरिया प्राथमिक स्कूल में शिक्षक की हुई नियुक्ति

9 नये बच्चों ने लिया दाखिला

■ पढ़ाई और बच्चों की उपस्थिति दोनों में आया सुधार



अध्ययनरत हैं। पहले जहां शिक्षकों की कमी के कारण कक्षाओं का संचालन बाधित होता था, वहीं अब दो शिक्षकों की मौजूदगी से शिक्षा का स्तर बेहतर हुआ है। शिक्षक बच्चों को व्यक्तिगत ध्यान देकर पढ़ा रहे हैं, जिससे उनकी समझने की क्षमता और पढ़ाई में रुचि बढ़ी है। गांव के ग्रामीण परसराम सोनी ने बताया कि पहले केवल एक शिक्षक होने के कारण विद्यालय की स्थिति कमजोर थी। बच्चों की उपस्थिति कम

थी और पालक भी स्कूल भेजने में रुचि नहीं लेते थे, लेकिन अब जब दो शिक्षक पदस्थ हैं, तो विद्यालय में अनुशासन, पढ़ाई का माहौल और बच्चों की सक्रियता तीनों में परिवर्तन देखने को मिल रहा है।विद्यालय के प्रधान पाठक नमिता अजय ने बताया कि अब कक्षाओं का संचालन सुचारु रूप से किया जा रहा है। बच्चे नियमित रूप से उपस्थित हो रहे हैं और खेलकूद व अन्य गतिविधियों में भी

बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। शिक्षकों की संख्या बढ़ने से न केवल पढ़ाई का स्तर सुधरा है बल्कि विद्यालय मे बच्चों की संख्या भी बेहतर हुई है पहले इस स्कूल मे 15 बच्चे थे शिक्षक मिलने पर 9 बच्चों की संख्या बढ़ी है अभी टोटल 24 बच्चे है।पथरिया गांव की निर्मला निराला ने बताया कि शासन और शिक्षा विभाग का आभार जताते हुए कहा कि युक्तियुक्तकरण नीति से गांव के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिला है। अब पथरिया स्कूल फिर से जीवंत हो उठा है, जहाँ पहले सत्राटा छया रहता था, अब वहां बच्चों की हसी और पढ़ाई की आवाज गूंज रही है।

विहिप बजरंग दल ने जिहादी आतंकवाद का किया पुतला दहन

■ बजरंग दल ने बम धमाके में मृतकों को दी श्रद्धांजलि,पीड़ित परिवार के साथ बजरंगदल : मुन्ना बजरंगी



जगदलपुर/ नवप्रदेश। दिल्ली में हुए कायराना आतंकी विस्फोट की तीव्र निंदा करते हुए विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आज सायंकाल स्थानीय चांदनी चौक में जिहादी आतंकवाद का पुतला दहन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने आतंकवाद मुर्दाबाद,भारत माता की जय तथा वंदे मातरम् के जमकर नारेबाजी किया छ

विहिप जिला अध्यक्ष शंकर लाल गुप्ता ने कहा कि देश में आतंक फैलाने

वाले जिहादी तत्वों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि ऐसे आतंकी कृत्यों में शामिल दोषियों को बीच चौहारे पर सार्वजनिक दंड दिया जाए, ताकि जिहादी विचारधारको में डर व्याप्त हो और पुनः ऐसी घटना न हो।

विहिप नगर अध्यक्ष प्रतीक गुरु ने कहा कि दिल्ली विस्फोट में निंदोष नागरिकों की हत्या करने वाले कट्टर मानसिकता से ग्रसित उन्मादी तत्वों का यह कृत्य अत्यंत निंदनीय एवं

कायरतापूर्ण है।बजरंग दल जिला संयोजक मुन्ना बजरंगी ने कहा कि भारत की जनता आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट है और ऐसे कृत्यों को कभी सहन नहीं करेगी। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि जिहादी मानसिकता फैलाने वाले संस्थानों एवं संगठनों पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए।

कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग के सड़क निर्माण कार्य का कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने किया अवलोकन

■ कलेक्टर ने गुणवत्ता के साथ सड़क निर्माण करने के लिए निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ़ / नवप्रदेश। /कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने भंवरपुर के पास जाकर राष्ट्रीय राजमार्ग के सड़क निर्माण कार्य का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने ठेका कर्मी से सड़क में उपयोग किए जा रहे मटेरियल की जानकारी ली और ठेका कर्मी को निर्देश दिए कि, गुणवत्ता के साथ सड़क निर्माण किया जाना है। गुणवत्ता में समझौता नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि हरदी सारंगढ़ दानसरा बायपास तक लगभग 12 किमीसड़क मार्ग



विद्युत खम्भे शिफ्टिंग, अतिक्रमण को हटाना एक साथ संयुक्त दल द्वारा किया जा रहा है।

अंतागढ़ में पंचायत प्रतिनिधियों को मिला ग्राम विकास का प्रशिक्षण

अंतागढ़: / नवप्रदेश। ग्रामीण विकास को गति देने और पंचायत प्रतिनिधियों को योजनाबद्ध कार्यप्रणाली से जोड़ने के उद्देश्य से जनपद पंचायत अंतागढ़ में आज सेंटर ऑफ़ एक्सलेंस कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में अंतागढ़ क्षेत्र की 56 ग्राम पंचायतों के सरपंच,सचिव और रोजगार सहायकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायत विकास योजना की प्रक्रिया को समझना, स्थानीय प्राथमिकताओं का निर्धारण करना, बजट प्रबंधन सीखना और विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था।कार्यक्रम में प्रधान संस्था अंतागढ़ के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को अवधारणा,चरणबद्ध योजना निर्माण,जनभागीदारी की भूमिका और



पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। विशेषज्ञों ने बताया कि ग्राम पंचायतों में विकास योजनाओं की सफलता, स्थानीय आवश्यकताओं और समुदाय की सहभागिता पर निर्भर करती है। इस प्रशिक्षण में 80 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्होंने न केवल प्रशिक्षण प्राप्त किया बल्कि अपने अनुभव भी साझा किए और यह संकल्प लिया कि प्राप्त जानकारीयों का उपयोग अपने-अपने क्षेत्रों की विकास योजनाओं को अधिक सशक्त

बनाने में करेंगे। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अंतागढ़ की मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्वता साहू,आरजीएसए अधिकारी विरेंद्र सिंह ठाकुर,तथा प्रदान संस्था से प्रशिक्षक विजय साहू,जय प्रकाश कुलदीप एवं सुमित विश्वास उपस्थित रहे।यह कार्यक्रम प्रदान संस्था के सहयोग से जनपद पंचायत अंतागढ़ द्वारा आयोजित किया गया,जिसे पंचायत प्रतिनिधियों की क्षमता वृद्धि और स्थानीय शासन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

पेज 1 का शेष

दिल्ली जैसा धमाका...
स्थानों पर विस्फोटों को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे। इनमें से प्रत्येक सदिध को एक चुने हुए शहर के लिए नियुक्त किया गया था। प्रारंभिक जांच से यह भी संकेत मिले हैं कि आरोपी समूह एक साथ हमलों के लिए कई इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस लेकर जाने की योजना बना रहे थे।
27 लाख के छह डनगी...
और एसटीएफकी टीमों ने अंजाम दिया। सुरक्षाबलों को डीकेएसजेडसीएम पापाराव, महेड़ एरिया कमेटी ईंचार्ज डीवीसीएम कन्ना उर्फ बुचरा, डीवीसीएम उर्मिला, डीवीसीएम मोहन कड़ती सहित 6 पश्चिम बस्तर डिवीजन के करीब 50 से 60 माओवादियों के एक बड़े समूह की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षाबलों ने तत्काल इलाके में

एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। 11 नवंबर की सुबह लगभग 10 बजे से शुरू हुई यह मुठभेड़ रुक-रुक कर दो दिनों तक जारी रही, जिसमें अंततः छह प्रमुख नक्सलियों को मार गिराने में सफलता मिली।
2025 में अब तक 144 नक्सली मारे गए
ढेर हुए नक्सलियों की...
तौर पर काम कर रही थी और पीएलजीए बटालियन की रसद व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालती थी। उसकी मौत से पामेड़ एरिया कमेटी और पीएलजीए बटालियन की सप्लाई चेन को बड़ा झटका लगा है। एसीएम जगत तामो उर्फमोटू (इनाम 5 लाख): यह फुल्लेड़, थाना जंगला का निवासी था और महेड़ एरिया कमेटी का एक सक्रिय सदस्य था।पीएम देवे (इनाम 2 लाख): मीनागुड्ड, थाना पामेड़ का निवासी यह नक्सली पार्टी का सदस्य था।

15 दिन में ही किसानों से किया वादा पूरा किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को देवास से प्रदेश के 1.33 लाख सोयाबीन उत्पादक किसानों को भावान्तर योजना के अंतर्गत 233 करोड़ रुपए की राशि अंतर्गत करने के बाद विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ कर कन्या-पूजन भी किया। वंदे मातरम के गान ने वातावरण को देशभक्ति की भावना का संचार किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवास जिले के सर्वांगीण विकास के लिए 183.25 करोड़ लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। साथ ही हितग्राहियों को जैविक खेती, कृषि यंत्र एवं पीएएफएमई सहित विभिन्न योजनाओं में हितलाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि यंत्रों एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने वाली प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया।

प्रदेश में दो बड़ी परियोजनाओं में निवेश करना चाहती है, जिसमें पैकेजिंग-परीक्षण इकाई, ईवी बस और ट्रक मैन्युफैक्चरिंग इकाई शामिल हैं। भूमि आवंटन, पर्यावरण सहायता, ऊर्जा-जल आपूर्ति, लॉजिस्टिक्स सुविधाएँ तथा पीएलआई, फेम, पीएम ई-ड्राइव जैसी योजनाओं के लाभ पर चर्चा हुई।बीबीजी इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक श्री हनुमंत राव गायकवाड़ ने प्रदेश में वैश्विक ड्रोन एवं रोबोटिक्स क्लस्टर स्थापित करने की इच्छा जताई, जिसमें प्रशिक्षण, परीक्षण और अनुसंधान सुविधाएँ शामिल होंगी। मध्यप्रदेश ड्रोन नीति-2025 के अंतर्गत भूमि, बुनियादी ढांचा, पीएलआई लाभ और विनियामक सहयोग पर विचार हुआ। आर.डब्ल्यू.एस. मोराविया इंडिया प्रा. लि. के सेंटर हेड श्री विशाल डकोलिया ने बताया कि कंपनी ने इंदौर में अपनी जीसीसी सुविधा का निर्माण पूरा कर लिया है और अब उसका विस्तार करना चाहती है।

ऊर्जा संरक्षण का जन
सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में सुभाष भवन भोपाल में किया गया था। राज्यपाल श्री मुंगुभाई पटेल ने कहा कि चित्रकला, अंतर्मन की मार्मिक अभिव्यक्ति है। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा ऊर्जा संरक्षण पर बनाए गए चित्र अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने उपस्थित जनों से अपील की कि वे चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन जरूर करें। प्रतिभावान बाल चित्रकारों की रचनात्मकता और ऊर्जा संरक्षण संदेशों को समझे, उनका अनुसरण करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि ऊर्जा बचत की शुरुआत हमें अपने घर से करना चाहिए। सुबह से शाम तक हर क्षण, सजग रहकर ऊर्जा बचत करना होगा। घर के ब?े-बुजुर्गों द्वारा बच्चों को ऊर्जा के महत्व, जरूरत और बचत का संस्कार बचपन से ही दिया जाना चाहिए। ऊर्जा की हर यूनिट की बचत, प्रकृति संरक्षण के साथ राष्ट्र विकास में योगदान है।





नितेश छाबड़ा

दक्षिण अफ्रीका जैसी ताकतवर टीम की चुनौती सामने है। दक्षिण अफ्रीका ने इसी साल ऑस्ट्रेलिया की शक्तिशाली टीम को हराकर टेस्ट मैचों की विश्व चैंपियनशिप जीती है। हालांकि पिछले महीने भारत ने अपनी जमीं पर वेस्टइंडीज को 2-0 से मात दी है। मगर वेस्टइंडीज की कमजोर टीम के विरुद्ध मिली जीत को भारतीय टीम मैनेजमेंट स्वयं भी ज्यादा नहीं आंकना चाहेगा, इसलिए भारतीय टीम को अपने घरेलू मैदानों पर अपनी प्रतिष्ठा को साबित करने के लिहाज से यह सीरीज महत्वपूर्ण होगी।

भारत एवं दक्षिण अफ्रीका के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज का आगाज आज से कोलकाता में होने जा रहा है। यह टेस्ट सीरीज भारत के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मद्देनजर काफी अहम है। साथ ही शुभमन गिल और उनकी टीम को इस सीरीज में यह भी साबित करना होगा कि घरेलू मैदानों पर उन्हें मात देना अभी भी टेढ़ी खीर जैसा है। ऐसा इसलिए कि पिछले वर्ष न्यूजीलैंड के विरुद्ध भारतीय टीम को घर में तीनों टेस्ट मैचों में मात मिली थी। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ जो बलीन स्वीप की थी, उसके कारणों को पड़ताल की गई तो पता चला था कि भारतीय बल्लेबाज कीवी गेंदबाजों के सामने बुरी तरह विफल रहे थे। अब दक्षिण अफ्रीका जैसी ताकतवर टीम की चुनौती सामने है। दक्षिण अफ्रीका ने इसी साल ऑस्ट्रेलिया की शक्तिशाली टीम को हराकर टेस्ट मैचों की विश्व चैंपियनशिप जीती है। हालांकि पिछले महीने भारत ने अपनी जमीं पर वेस्टइंडीज को 2-0 से मात दी है। मगर वेस्टइंडीज की कमजोर टीम के विरुद्ध मिली जीत को भारतीय टीम मैनेजमेंट स्वयं भी ज्यादा नहीं आंकना चाहेगा, इसलिए भारतीय टीम को अपने घरेलू मैदानों पर अपनी प्रतिष्ठा को साबित करने के लिहाज से यह सीरीज महत्वपूर्ण होगी।



नहीं कर पा रहा है कि स्पिन विकेट की मांग की जाए या स्पॉटिंग विकेटों में ही मैच जीतने का प्रयास किया जाए। हालांकि अभी तक विकेट के बारे में जो बातें सामने आ रही है, उससे यही प्रतीत हो रहा कि स्पॉटिंग विकेट बनाए जाने की संभावना अधिक है। इन विकेटों पर जैसे जैसे मैच आगे बढ़ेगा स्पिनर्स को मदद मिलेगी। यदि काली मिट्टी वाले स्पिन विकेट तैयार किए जाते हैं तो उन पर खेलना भारत के लिए दोधारी तलवार जैसा हो सकता है। यह भारत के पक्ष में भी जा सकता है और विरुद्ध भी। इसके पीछे दो बड़ी वजहें हैं। पिछले कुछ वर्षों से हम देख रहे हैं कि भारतीय

बल्लेबाजी स्पिन के विरुद्ध ज़ुबानी नजर आयी है। पिछले वर्ष न्यूजीलैंड ने पुणे और मुंबई टेस्ट में अपने स्पिनर्स के दम पर भारतीय बल्लेबाजी को बौना साबित कर दिया था। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने इस दौर में स्पिन विकेटों का ख्याल रखते हुए केशव महाराज, मुथुस्वामी और हार्मर सरीखे क्वालिटी स्पिनर्स को शामिल किया है। ये गेंदबाज भारतीय टीम को खुद के बुने जाल में फंसा सकते हैं। टीम कॉम्बिनेशन की उलझन इस सीरीज में टीम इंडिया किन 11 खिलाड़ियों के साथ उतरेगी, इसको लेकर अभी भी जोड़ोहलद जारी है। नीतीश रेड्डी को टीम से रिलीज कर दिया गया है, जिससे यह प्रतीत होता है कि टीम सिर्फ दो तेज गेंदबाजों के साथ जाना चाहेगी। इसके अलावा टीम स्पिन आल राउंडर के कॉम्बिनेशन के साथ उतरना चाहेगी। इसका मतलब यह कि कुलदीप को फिर से बल्लेबाजी क्रम को गहराई देने के नाम पर स्थान नहीं मिलेगा। नीतीश रेड्डी के स्थान पर ध्रुव जुरेल को खिलाने का इशारा टीम मैनेजमेंट से मिल रहा है। यह भी जाहिर हो रहा कि साई सुदर्शन नंबर 3 पर पहली पसंद होंगे। मजबूत है अफ्रीकी टीम दक्षिण अफ्रीका को किसी भी तरह से कमतर आंकना भारतीय टीम की बहुत बड़ी भूल होगी। टीम के कोच कोनराड टीम के स्पिन अटैक पर भरोसा जताते हुए सीरीज में जीत का दावा कर रहे हैं। इधर बावुमा की कप्तानी ने टीम का हालिया प्रदर्शन शानदार रहा है और विश्व टेस्ट चैंपियन का खिताब हासिल होने टीम के हौसले भी बुलंद हैं। देखा जाए तो यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से दोनों टीमों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल को जोड़ी इस सीरीज को जीतकर अपने लिए टेस्ट चैंपियनशिप के फहलन की राह को और अधिक मजबूत करना चाहेंगे।

न्यूज गैलरी

भारतीय शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ खुला, मेटल शेयरों में तेजी



मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में हल्की गिरावट के साथ खुला। सुबह 9.24 पर सेंसेक्स 116 अंक या 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,349 और 34 अंक या 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,851 पर था। शुरुआती सत्र में लाजकैप के उलट मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 74 अंक या 0.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 60,977 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 39 अंक या 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,290 पर था।सेक्टरल आधार पर मेटल, रियल्टी, मीडिया, फार्मा, फाइनेंशियल सर्विसेज, इन्फ्रा, कर्मांडिट्रीज और कंजप्शन इंडेक्स हरे निशान में थे। ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, एफएमसीजी, एनजी और प्राइवेट बैंक लाल निशान में थे।सेसेक्स पैक में एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, ट्रेड, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और सन फार्मा टॉप गेनर्स थे। इन्फोसिस, इटरनल (जोमेटो), कोटक महिंद्रा बैंक, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टीसीएस,एचडीएफसी बैंक और आईटीसी लूजर्स थे।एशियाई बाजारों में भी मिलाजुला कारोबार हो रहा है। टोक्यो, शंघाई, बैंकॉक और जकार्ता हरे निशान में थे। हांगकांग और सोल लाल निशान में थे। अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को मिलेजुले बंद हुए थे।बाजार के जानकारों ने कहा कि बाजार को नया ऑल-टाइम हाई लगाने के लिए और कारकों की आवश्यकता है। फिलहाल बाजार ने बिहार चुनाव में एनडीए की जीत की संभावना को फैक्टर-इन कर लिया है। शेयर बाजार के लिए आने वाले समय में अमेरिका और भारत ट्रेड डील अहम फैक्टर होगी।संस्थागत मोचें पर, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 12 नवंबर को लगातार तीसरे सत्र में अपनी बिकवाली जारी रखी और 1,750 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे। इसके विपरीत, घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) लगातार खरीदार बने रहे और उन्होंने 5,100 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के शेयर खरीदे, जिससे बाजार को लगातार समर्थन मिला है।कच्चे तेल एक सीमित दायरे में बना हुआ है। ब्रेंट क्रूड 62.67 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 58.40 डॉलर प्रति बैरल पर है।

भारत ने 111 देशों को वस्त्र निर्यात में 10 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की

भारत का वस्त्र निर्यात मजबूत और विविध, 111 देशों में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का वस्त्र और परिधान निर्यात मजबूत बना हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर 2025) में भारत ने 111 देशों को वस्त्र निर्यात में 10 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की। इन देशों से कुल 8,489.08 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई हुई, जो पिछले साल की समान अवधि में 7,718.55 मिलियन डॉलर थी। इससे 770.3 मिलियन डॉलर की अतिरिक्त आय हुई। कुल मिलाकर वस्त्र, परिधान और मेड-अप निर्यात में 0.1 फीसद की मामूली बढ़ोतरी हुई। हस्तशिल्प निर्यात को मिलाकर यह आंकड़ा और मजबूत दिखता है। प्रमुख बाजारों में संयुक्त अरब अमीरात (14.5 फीसद), ब्रिटेन (1.5

फीसद), जापान (19.0 फीसद), जर्मनी (2.9 फीसद), स्पेन (9.0 फीसद) और फ्रांस (9.2 फीसद) ने अच्छी वृद्धि दिखाई। वहीं, मिस्र (27 फीसद), सऊदी अरब (12.5 फीसद) और हांगकांग (69 फीसद) जैसे बाजारों में तेज उछाल दर्ज हुआ। इस बढ़ोतरी के पीछे मुख्य योगदान रेडीमेड गारमेंट्स (3.42 फीसद) और जूट उत्पादों (5.56 फीसद) का रहा। आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक मंदी और टैरिफ बाधाओं के बावजूद भारतीय वस्त्र उद्योग लचीला और प्रतिस्पर्धी है। सरकार की मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत योजनाओं ने निर्यात को नई दिशा दी है। गैर-पारंपरिक बाजारों में विस्तार से भारत अब सिर्फ बड़े देशों पर निर्भर नहीं है। छोटे-बड़े



111 बाजारों तक पहुंच बनाकर है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, यह विविधता और स्थिरता हासिल की गई सफलता मूल्य संवर्धन, गुणवत्ता सुधार

और नए बाजारों की खोज का नतीजा है। उद्योग जगत का कहना है कि भारतीय कपड़ा कंपनियां अब डिजाइन, ब्रांडिंग और टिकाऊ उत्पादों पर जोर दे रही हैं, जिससे विदेशी खरीदार आकर्षित हो रहे हैं। हालांकि कुछ बड़े बाजारों जैसे अमेरिका में चुनौतियां बरकरार हैं। लेकिन, कुल मिलाकर निर्यात का ग्राफ ऊपर जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले महीनों में त्योहारी सीजन और नए व्यापार समझौतों से और तेजी आएगी। यह प्रदर्शन न सिर्फ अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है, बल्कि लाखों कारीगरों और श्रमिकों को रोजगार भी दे रहा है। भारत अब वैश्विक वस्त्र बाजार में एक भरोसेमंद नाम बनता जा रहा है।

जीएसटी कटौती का दिखा सीधा असर

आम आदमी को मिली बड़ी राहत, महंगाई 10 साल के सबसे निचले स्तर पर

नई दिल्ली। भारत में खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में रिकॉर्ड 0.25 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई है, जो पिछले 10 वर्षों में सबसे निचला स्तर है। यह मौजूदा सीपीआई सीरीज में दर्ज की गई अब की सबसे कम महंगाई दर है। यह जानकारी सरकार की ओर से बुधवार को दी गई। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्र में महंगाई दर अक्टूबर में -0.25 प्रतिशत रही है, जबकि सितंबर में यह 1.07 प्रतिशत थी। वहीं, शहरी क्षेत्र में महंगाई दर 0.88 प्रतिशत रही है, जबकि सितंबर में यह 1.83 प्रतिशत थी।खाद्य महंगाई दर अक्टूबर में -5.02 प्रतिशत रही है, जो दिखाता है कि खाद्य उत्पादों की कीमतें सालाना आधार पर कम हुई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई दर अक्टूबर में -4.85 प्रतिशत रही है। इस दौरान शहरी क्षेत्रों में खाद्य महंगाई दर -5.18 प्रतिशत रही है।मंत्रालय की ओर से



जारी बयान में कहा गया कि हेडलाइन महंगाई दर और खाद्य महंगाई दर में गिरावट की वजह जीएसटी दरों में कमी आना, ऑयल, सब्जियों, फलों, अंडों, फुटवियर, अनाज और ट्रांसपोर्ट की कीमतों घटना है।अक्टूबर में ट्रांसपोर्ट और कम्युनिकेशन में महंगाई दर अक्टूबर में 0.94 प्रतिशत रही है, जो कि सितंबर में 1.82 प्रतिशत थी।

फ्यूल एवं लाइट में महंगाई दर अक्टूबर में 1.98 प्रतिशत रही है, सितंबर में भी यह 1.98 प्रतिशत पर रही थी। केंद्रीय गवर्नर ने वित्त वर्ष 26 (चालू वित्त वर्ष) के लिए रिटेल महंगाई दर के अनुमान को घटाकर 2.6 प्रतिशत कर दिया, जो कि अगस्त एमपीसी में 3.1 प्रतिशत पर था। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के

लिए महंगाई दर के अनुमान को 2.1 प्रतिशत से घटाकर 1.8 प्रतिशत, तीसरी तिमाही के अनुमान को 3.1 प्रतिशत से घटाकर 1.8 प्रतिशत और चौथी तिमाही के लिए 4 प्रतिशत कर दिया है। आरबीआई ने अनुमान में आगे बताया कि वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में महंगाई 4.5 प्रतिशत रह सकती है।

कैबिनेट ने सीजीएसई को दी मंजूरी

*एमएसएमई और गैर-एमएसएमई निर्यातकों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना (सीजीएसई) शुरू करने को मंजूरी दे दी। इससे राष्ट्रीय ऋण गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) द्वारा सदस्य ऋण संस्थानों (एमएलआई) को 100 प्रतिशत ऋण गारंटी कवरेज प्रदान किया जा सकेगा ताकि पात्र निर्यातकों, जिनमें एमएसएमई भी शामिल हैं, को 20,000 करोड़ रुपए तक की अतिरिक्त ऋण सुविधाएं प्रदान की जा सकें।इस योजना का कार्यान्वयन वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) राष्ट्रीय ऋण गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) के माध्यम से करेगा ताकि एमएसएमई सहित पात्र निर्यातकों को एमएलआई अतिरिक्त ऋण सहायता प्रदान कर सके। डीएफएस सचिव की अध्यक्षता में गठित एक प्रबंधन समिति इस योजना की प्रगति और कार्यान्वयन की देखरेख करेगी। इस योजना से भारतीय निर्यातकों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के बढ़ने और नए

एवं उभरते बाजारों में विविधीकरण को मदद मिलने की उम्मीद है। सीजीएसई के तहत संपांशिक-मुक्त ऋण को सुलभ करके, यह योजना सरलता को मजबूत करेगी, सुचारू व्यावसायिक संचालन सुनिश्चित करेगी और 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में भारत की प्रगति को सुदृढ़ करेगी। इससे आत्मनिर्भर भारत की ओर देश की यात्रा को और मजबूती मिलेगी। निर्यात भारतीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 21 प्रतिशत रहा। विदेशी मुद्रा भंडार में निर्यात का महत्वपूर्ण योगदान होता है। निर्यातोंमुखी उद्योग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 45 मिलियन से अधिक लोगों को रोजगार देते हैं और एमएसएमई कुल निर्यात में लगभग 45 प्रतिशत का योगदान करते हैं। निरंतर निर्यात वृद्धि भारत के चालू खाता संतुलन और व्यापक आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने में सहायक रही है।निर्यातकों को अपने बाजारों में विविधता लाने और भारतीय निर्यातकों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए उन्हें बेहतर वित्तीय सहायता और पर्याप्त समय प्रदान करना महत्वपूर्ण है।

एशेज से पहले ऑस्ट्रेलिया की चिंता बढ़ी, शेफील्ड शील्ड मैच के बीच मैदान से बाहर लौटे 2 खिलाड़ी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच 21 नवंबर से एशेज सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया को दोहरा झटका लगा है। जोश हेजलवुड और सीन एबॉट को शेफील्ड शील्ड में विक्टोरिया के खिलाफ मुकाबले के बीच मैदान से बाहर लौटना पड़ा।



की पुष्टि नहीं की है। हेजलवुड ने विक्टोरिया की दूसरी पारी के 34.5 ओवर में सीन हार्पर को आउट किया था। वहीं, एबॉट ने विक्टोरिया के मध्यक्रम को

तहस-नहस करते हुए 9 ओवरों में 18 रन देकर 4 विकेट लिए थे। जोश हेजलवुड ने भारत के खिलाफ हाल ही में सीमित ओवरों की सीरीज में शानदार गेंदबाजी

की थी, जबकि एबॉट को पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया के बैकअप तेज गेंदबाजों में से एक चुना गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के पहले मुकाबले में पैट कमिंस के बिना ही खेल रही है, जो फिलहाल पीठ की चोट से उबर रहे हैं।

अगर पहले टेस्ट के लिए अतिरिक्त गेंदबाजों की जरूरत पड़ती है, तो माइकल नेसर सबसे आगे होंगे, लेकिन उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के रिजर्व गेंदबाजों की क्षमता की कड़ी परीक्षा होगी। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा

रहे मुकाबले की बात करें, तो विक्टोरिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 382 रन बनाए। इस पारी में पीटर हैड्सकॉम्ब ने 104 रन की पारी खेली, जबकि सैम हार्पर ने 54 रन बनाए। इसके जवाब में न्यू साउथ वेल्स की टीम अपनी पहली पारी में महज 128 रन पर सिमट गई। कप्तान स्टीव स्मिथ ने इस पारी में सर्वाधिक 57 रन बनाए। विक्टोरिया के पास पहली पारी के आधार पर 254 रन की बढ़त थी। टीम ने अपनी दूसरी पारी में 9 विकेट खोकर 171 रन बनाए।

अदा शर्मा ने सिखाया कदू कोर वर्कआउट बोलों- 31 दिनों में दिखेगा बदलाव

अभिनेत्री अदा शर्मा न केवल अपने स्वास्थ्य को लेकर अलर्ट रहती हैं बल्कि नए-नए तरीकों से फैस को वर्कआउट के लिए प्रेरित भी करती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अदा शर्मा ने वीडियो शेयर किया, जिसमें नई फिटनेस चुनौती कदू कोर वर्कआउट 3.0 के बारे में फैस को जानकारी दी। अदा ने बताया कि इस वर्कआउट से मात्र 31 दिनों में अपना जीवन बदल सकते हैं। पोस्ट में उन्होंने फैस को कदू के साथ 20 रेप्स तक रोजाना इस वर्कआउट को करने की सलाह दी। अदा शर्मा की गिनती उन एक्टर्स में की जाती है, जो फिटनेस को लेकर अलर्ट रहती हैं। उनकी यह तीसरी कोर वर्कआउट सीरीज है, जो विशेष रूप से कोर मसल को मजबूत बनाने पर फोकस करती है। इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने लिखा, कदू कोर वर्कआउट 3.0 इसे 31 दिन 20 रेप्स तक करें और अपना जीवन बदल लें! कौन कौन करेगा कदू कोर वर्कआउट 3.0? मुझे टैग करो मैं जवाब दूंगी। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वह खुद इस



एक्सरसाइज को डेमोन्स्ट्रेट कर रही हैं। वीडियो में कदू (पंपकिन) को प्रॉप के रूप में इस्तेमाल किया गया है। इससे पहले अभिनेत्री ने ब्रेन वर्कआउट से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने बताया कि एक हाथ से धीमे-धीमे और दूसरे हाथ से झटपट झटपट एक्सरसाइज, अगर ये हो रहा है तो ब्रेन के लिए ये काफी लाभदायी होता है।



न्यूज गैलरी

ग्वालियर को स्मार्ट सिटी के रूप में पहचान मिलेगी : मंत्री तोमर

मंत्री तोमर ने किया 1.04 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि-पूजन

भोपाल/नवप्रदेश। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर गुरुवार को उप नगर ग्वालियर में 1.04 करोड़ से अधिक राशि की लागत से निर्मित होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। मंत्री श्री तोमर ने आसमानी माता मंदिर होटल क्लार्क इन के पास वार्ड क्रमांक-33 स्थित विभिन्न गलियों में एक करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले सीवर लाइन कार्य का भूमि-पूजन किया। आसमानी माता मंदिर होटल क्लार्क इन के पीछे 4 लाख रुपये लागत के नलकूप खनन कार्य का भी भूमि-पूजन किया। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि विकास की दिशा में यह कदम स्वच्छता, सुरक्षित जल और बेहतर जीवन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने कहा कि ग्वालियर सांस्कृतिक, औद्योगिक और पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित हो रहा है। बीते कुछ समय में शहरी बुनियादी ढांचे के उन्नयन के साथ पर्यावरण से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर ध्यान दिया गया है। शहर में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं के पूरा होने से न केवल सुविधाएं बढ़ेंगी, बल्कि ग्वालियर को स्मार्ट सिटी के रूप में नई पहचान मिलेगी। इस अवसर पर लबी खंडेलवाल, पार्षद श्रीमती सुनीता अरुण कुशवाह, पार्षद श्रीमती भावना कन्नौजिया, श्री भीकम खटीक, पूर्व पार्षद श्री चन्द्रू सेन, गिरजा शंकर शर्मा, रामशरण भदौरिया, जिला एवं नगर निगम प्रशासन, विद्युत वितरण कम्पनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा जन-प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एम्स में लंग्स ट्रांसप्लांट शुरू करने की तैयारी, डॉक्टरों की ट्रेनिंग पूरी, सोटो की मंजूरी का इंतजार



भोपाल/नवप्रदेश। एम्स भोपाल में लंग्स ट्रांसप्लांट शुरू होने की राह लगभग साफ है। टीम की ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है और सोटो का निरीक्षण भी पूरा हो गया है। अब सिर्फ अंतिम मंजूरी का इंतजार है। अनुमति मिलने के बाद एम्स भोपाल मध्य भारत का पहला सरकारी संस्थान बनेगा, जहां हार्ट, किडनी, बोन मैरो और लंग्स चारों बड़े प्रत्यारोपण एक ही जगह उपलब्ध होंगे। एम्स भोपाल फेफड़ों के प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू होने की दिशा में महत्वपूर्ण उठने जा रहा है। गंभीर फेफड़े संबंधी रोगों से जूझ रहे मरीजों के लिए यह बड़ी राहत साबित हो सकती है। अस्पताल में लंग्स ट्रांसप्लांट शुरू करने के लिए आवश्यक स्टेट ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (एन्ड्रज) ने साइट विजिट पूरी कर ली है। टीम की रिपोर्ट सरकार को भेजे जाने के बाद अंतिम अनुमति जारी होगी, जिसके बाद यह सुविधा शुरू की जा सकेगी। अनुमति मिलने के बाद एम्स भोपाल मध्य भारत का पहला सरकारी संस्थान बनेगा, जहां हार्ट, किडनी, बोन मैरो और लंग्स चारों बड़े प्रत्यारोपण एक ही जगह उपलब्ध होंगे।

25 लाख से 35 लाख तक होते हैं खर्च

भारत में निजी अस्पतालों में फेफड़े के प्रत्यारोपण की लागत आमतौर पर 25 लाख से 35 लाख के बीच होती है, हालांकि यह लागत 15.5 लाख से शुरू होकर 40 लाख तक भी जा सकती है। यह खर्च कई कारकों पर निर्भर करता है, जैसे कि एकल या दोहरे प्रत्यारोपण, अस्पताल और सर्जन की फीस, और सर्जरी के बाद की देखभाल। एम्स में सुविधा शुरू होने से मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

लंग्स ट्रांसप्लांट टीम ने विशेष प्रशिक्षण पूरा किया

लंग्स प्रत्यारोपण अत्यंत जटिल सर्जरी मानी जाती है और इसे कार्डियक-वैस्कुलर सर्जन ही करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए एम्स भोपाल की टीएसवी टीम चेन्नई में विशेष प्रशिक्षण से होकर आई है। वहां टीम ने हार्ट और लंग्स दोनों ट्रांसप्लांट की तकनीक में महारत हासिल की। जानकारी के मुताबिक एम्स में पीडियाट्रिक किडनी ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है। चार बच्चों को चयनित किया गया है और प्रारंभिक मेडिकल जांच चल रही है। सभी रिपोर्ट सामान्य होने के बाद ऑपरेशन शुरू किया जाएगा।

एसआईआर में सहयोग के लिये हेल्प डेस्क स्थापित

भोपाल/नवप्रदेश। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य किया जा रहा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र श्री संजीव कुमार झा के निर्देश पर प्रदेश के मतदाताओं को एसआईआर में मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए मध्यप्रदेश निर्वाचन सदन भोपाल में हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। साथ ही प्रदेश के सभी जिलों में कलेक्टर तथा ईआरओ कार्यालय में हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हेल्प डेस्क पर आने वाले मतदाताओं को सही मार्गदर्शन एवं पूरा सहयोग किया जाना सुनिश्चित करें जिससे मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता से पूरा किया जा सके।

मध्यप्रदेश को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स का पसंदीदा गंतव्य बनाने की पहल

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 में हुआ जीसीसी लीडरशिप कनेक्ट

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCS) के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाने के लिए इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में गुरुवार को एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 के अंतर्गत एमपी जीसीसी लीडरशिप कनेक्ट राउंडटेबल का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर 25 से अधिक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (तष्टष्टष्ट) शामिल हुए और राज्य की दीर्घकालिक तकनीकी रणनीति को दिशा देने के लिए सार्थक चर्चा हुई।

अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे ने कहा कि मध्यप्रदेश को जीसीसी के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। टियर-2 शहरों में उपलब्ध सुविधाएं जीसीसी के लिए सशक्त बिजनेस इको सिस्टम बनाने में सक्षम हैं। श्री दुबे ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जहां सर्पित जीसीसी नीति बनाई गई है। इसके साथ ही राज्य में ड्रोन नीति के तहत ड्रोन डाटा रिपॉजिटरी विकसित की जा रही है। प्रदेश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश एवं विकास को



निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। डाटा सेंटर नीति के तहत व्यवसायों को सब्सिडी दी जा रही है और स्पेस टेक्नोलॉजी नीति तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि आईआईटी इंदौर देश का एकमात्र संस्थान है जहाँ स्पेस टेक्नोलॉजी में बीटेक एवं एमटेक कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देने वाला अग्रणी

राज्य है। देश के 10 प्रतिशत से अधिक गेमिंग आईपी क्रिएशन मध्यप्रदेश से हुए हैं, जो राज्य की तकनीकी क्षमता और टैलेंट की उपलब्धता को दर्शाते हैं।

नीतिगत और प्रशासनिक सहयोग

मध्यप्रदेश सरकार ने जीसीसी की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए कई

नीतिगत एवं प्रशासनिक कदम उठाए हैं। संपदा पोर्टल के माध्यम से आसान रजिस्ट्री, लेबर लॉ में सरलीकरण, साइबर तहसील के माध्यम से विवाद निपटान, पेरोल सब्सिडी और पेटेंट असिस्टेंस जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। राज्य में ग्रीन एनर्जी की उपलब्धता और कार्बन क्रेडिट व्यवस्था जैसे पर्यावरणीय उपाय सकारात्मक बिजनेस इकोसिस्टम को और अधिक सुदृढ़ बनाते हैं।

उद्योग प्रतिनिधियों ने साझा किये विचार

वेना इंडिया सेंटर हेड श्री गौतम यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में आईआईटी इंदौर, MANIT भोपाल, और GSITS इंदौर जैसे संस्थानों की मौजूदगी से राज्य में उच्च गुणवत्ता वाला टैलेंट पूल उपलब्ध है। उन्होंने जीसीसी के सशक्त विकास के लिए सीनियर लीडरशिप को आकर्षित करने का सुझाव दिया। वेना इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट श्री पार्थ सेन गुप्ता ने कहा कि मध्यप्रदेश में वित्तीय क्षेत्र की विशेषता और संभावनाएं जीसीसी की

स्थापना के लिए अत्यंत अनुकूल हैं।

केपीएमजी के पार्टनर श्री गौरव कुमार ने कहा कि मध्यप्रदेश के टियर-2 शहरों में उत्कृष्ट टैलेंट पूल उपलब्ध है और यहां के युवा राज्य में ही रहकर काम करना पसंद करते हैं, जिससे टैलेंट की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित रहती है। एनटीटी डाटा के साइबर हेड श्री क्षितिज बंधिया ने कहा कि राज्य में कई जीसीसी पहले से सक्रिय हैं और यहां स्टार्टअप कल्चर को निरंतर बढ़ावा मिल रहा है। जीसीसी में स्थानीय भर्ती को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। ई एंड वाई एलएलपी के पार्टनर श्री आदित्य क्षेत्रपा ने कहा कि जीसीसी की स्थापना के साथ उसकी निरंतरता पर भी ध्यान देना आवश्यक है, जिससे कार्य त्वरित गति और कम लागत से हो सके।

प्रदेश में सस्टेनेबिलिटी, प्रगति और विकास की दिशा में आगे बढ़ते हुए ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (तष्टष्टष्ट) की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम है। इन केंद्रों का उद्देश्य न केवल तकनीकी और औद्योगिक क्षमताओं को सशक्त बनाना है, बल्कि रोजगार, नवाचार और कौशल विकास के नए अवसर भी सृजित करना है।

सीएम यादव जनजातीय गौरव दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में होंगे शामिल

जबलपुर में होगा मुख्य कार्यक्रम

जिला स्तर के कार्यक्रमों के लिए अतिथि हुए तय

भोपाल/नवप्रदेश। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती गरिमामय रूप से मनाई जायेगी। जनजातीय गौरव दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम 15 नवम्बर को जबलपुर में होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह और लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह शामिल होंगे।

जिला स्तर के कार्यक्रमों में विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ग्वालियर, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल रीवा में, नगरीय विकास, आवास एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवीर्य धार, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेलभिण्ड, राजस्व

मंत्री श्री करण सिंह वर्मासीहोर, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंहनरसिंहपुर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिा उड्के मण्डला, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट इंदौर, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंशानामुरैना, महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भुरिया झाबुआ, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत सागर, खेल, युवा कल्याण एवं विजय शाह और लोक निर्माण मंत्री श्री रायसेन, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण एवं उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह शाजापुर, अस्सुचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहानअलीराजपुर, ऊर्जा श्री प्रद्युम्न सिंह तोमरमंत्री शिवपुरी, नवीन एवं नवकरणीय मंत्री ऊर्जा श्री राकेश शुक्लाअशोक नगर, सूक्ष्म,

लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यपरतलाम, उच्च शिक्षा, आयुष, तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंंदर सिंह परमार आगर-मालवा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण,विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु कल्याण स्वतंत्र प्रभार श्रीमती कृष्णा गौरभोपाल, संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व स्वतंत्र प्रभार श्री धर्मेद भाव सिंह लोधीदमोह, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री दिलीप जायसवालअनूपपुर, कौशल विकास एवं रोजगार स्वतंत्र प्रभार मंत्री श्री गौतम टेटवालउज्जैन, पशुपालन एवं डेयरी स्वतंत्र प्रभार मंत्री श्री लखन सिंह पटेलविदिशा, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास स्वतंत्र प्रभार मंत्री श्री नारायण सिंह पंवारराजगड़ राज्यमंत्री लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याणश्री नरेन्द्र शिवाजी पटेलबैतूल, राज्यमंत्री नगरीय विकास एवं आवास श्रीमती प्रतिमा

बागरीसतना, राज्यमंत्री वनएवं पर्यावरण श्री दिलीप अहिरवारछतरपुर एवंराज्यमंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रीमती राधा सिंहसमरौली में उपस्थित होंगी। सांसद श्री वी.डी. शर्मा कटनी, सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह शहडोल, सांसद श्रीमती संध्या राय दतिया, सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल खण्डवा, सांसद श्रीमती भारती पारधी बालाघाट, सांसद श्री गजेन्द्र सिंह पटेल खरगौन, सांसद डॉ. राजेश मिश्रा सीधी, सांसद श्री जनार्दन मिश्रा मऊगंज, सांसद श्री विवेक बंटी साहू छिन्दवाड़ा, सांसद श्री फगन सिंह कुलस्ते सिवनी, सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर श्योपुर, सांसद श्री सुधीर गुप्ता नीमच, सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी नर्मदापुरम, सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर मंदसौर, सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी बड़वानी एवं सांसद श्रीमती माया नरोलिया पाटुण्णा में उपस्थित रहेंगी।

वरिष्ठ नागरिक मंच कलार समाज चतुर्थ निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन 23 नवंबर को, 11 जोडो का हुआ पंजीयन

भोपाल/नवप्रदेश। वरिष्ठ नागरिक मंच कलार समाज म.प्र. गोपाल व एलएनसीटी समूह के तत्वावधान में कलसुरी समाज के सभी सामाजिक समूहनों के सहयोग वतुर्थ निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन 23 नवंबर को एलएनसीटी विवि सभागार में सुबह 9 बजे

से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में समाज के संतानों से वर वधु आशीर्वाद प्राप्त कर नवजीवन का शुभारंभ करेंगे। सम्मेलन के लिए तय 11 जोड़ों का पंजीयन हो चुका है। मंच ने समाजजनों से अपील की है कि वे इस महानुष्ठान में वर-वधु को गृहस्थश्रम

प्राप्तमें हेतु उपहार स्वरूप आशीर्वाद प्रदान करें और पुण्य लाभ अर्जित करें। सम्मेलन के मुख्य समन्वयक जयनाटायण चौकसे व श्रीमती पूनम चौकसे व श्रीमती कल्पना आई.डी. राय हैं। सम्मेलन में सहभागी सभी कार्यकर्ताओं के लिए एकरुपा हेतु ड्रेस

कोड पुरषों के लिए- सफेद कुर्ता-पजामा व पिक जैकेट, महिलाओं के लिए पिक साड़ी व ब्लाउज तय किया गया है। सम्मेलन में एड. एलाएल राय, विंग कमांडर व्ही के राय, सुनील मालवीय, कौशल राय, राजन सेवईवार, अर्जुन जायसवाल, राजाराम शिवरे, डीपी गुप्ता, संजय

तलवार-लाठी से हमला, मामा-भांजे और नाना की हत्या

अशोकनगर में जमीन के लिए झगड़े 2 भाइयों के परिवार

अशोकनगर/नवप्रदेश। अशोकनगर में आठ बीघा जमीन के लिए दो सगे भाइयों में विवाद हो गया। तलवार, लाठी-डंडों के हमले में मामा-भांजा और नाना की मौत हो गई। नाना और भांजे की मौके पर मौत हो गई, जबकि मामा ने भोपाल ले जाने के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया। कचनार इलाके के करैया बैनैट गांव में खिलान सिंह यादव (75) के पास 8 बीघा जमीन है। खिलान सिंह अपने बड़े बेटे राजमहेंद्र के साथ रहते थे। राजमहेंद्र ने कुछ दिन पहले खेत में सरसों की फसल बोई थी। बुधवार शाम खिलान सिंह का छोटा बेटा

कृष्णभान अपने भांजे पवन के साथ ट्रैक्टर लेकर खेत पर पहुंचा और पहले से बोए गए खेत में पंजा चलाने लगा। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया।

जमीन पर कब्जे के लिए भिड़े दो भाई

जमीन पर कब्जे को लेकर शुरू हुई कहासुनी हिंसा में बदल गई। एक तरफ छोटे बेटे कृष्णभान और उसका भांजा पवन थे, जबकि दूसरी ओर बड़े बेटे राजमहेंद्र और उनके पिता खिलान सिंह। आरोप है कि दोनों पक्षों ने फरसा, तलवार



और डंडों से एक-दूसरे पर हमला कर दिया। पवन यादव और खिलान सिंह की मौके पर ही मौत हो गई।

गंभीर रूप से घायल कृष्णभान यादव को इलाज के लिए रात में भोपाल रेफर किया गया, लेकिन

रास्ते में उसने भी दम तोड़ दिया। कृष्णभान के शव का पोस्टमॉर्टम भोपाल में होगा। वहीं, पवन यादव और खिलान सिंह का पीएम अशोकनगर जिला अस्पताल में हुआ।

पुलिस की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार

घटना के बाद गांव में सन्नद्धा पसरा हुआ है। नायब तहसीलदार शंभू मीना और पुलिस की मौजूदगी में खिलान सिंह का अंतिम संस्कार गांव में हुआ। पुलिस ने परिजनों की मदद से अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी कराई। इस दौरान मौके पर कुछ

ही ग्रामीण शामिल हुए। पवन यादव का शव उसके गांव महूआखेड़ा ले जाया गया, जहां पर उसका भी अंतिम संस्कार किया गया। एएसपी गजेंद्र सिंह कंवर ने बताया कि मृतक कृष्णभान की बेटी राधिका की शिकायत पर राज महेंद्र, धर्मवीर, राजवीर और खिलान यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें से खिलान यादव की मौत हो चुकी है। दूसरे पक्ष के फरियादी राज महेंद्र की शिकायत पर छुट्टा, कल्ला, कृष्णभान और पवन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इसमें से कृष्णभान और पवन की मौत हो गई।